www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 28.c
27.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 102.705g
चांदी 113,000kg

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

2 कश्मीर को लेकर सतर्क रहें सरकार

पिता बेटे के इलाज को बना स्मैक तस्कर 04

वर्ष :09 | अंक :54 | मुंबई ,गुरूवार , 14 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल प्रदेश में नहीं कम हुआ बारिश का प्रकोप, अलर्ट जारी, 328 सड़कें यातायात के लिए बंद

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने हिमाचल प्रदेश के लिए एक बार फिर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें अगले तीन दिनों, मंगलवार से गुरुवार देर रात तक, भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। आईएमडी की नवीनतम जानकारी के अनुसार, मंगलवार को बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा और मंडी ज़िलों में ऑरेंज अलर्ट लागू रहेगा, जबकि बुधवार को यह चेतावनी बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर ज़िलों पर लागू होगी। मंगलवार को शिमला और सोलन ज़िलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश में लगातार जारी बारिश के कारण दो राष्ट्रीय राजमार्गों सहित कुल 328 सड़कों को यातायात के लिए बंद करना पड़ा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के मुताबिक बुधवार सुबह वाहनों की आवाजाही के लिए बंद की गई सड़कों में औट-सैंज सड़क, जो राष्ट्रीय राजमार्ग-305 का हिस्सा है, और खाब से ग्रामफू (राष्ट्रीय राजमार्ग-505) तक की सड़क भी शामिल है। उसने बताया किबंद की गई सड़कों में से 180 सड़कें मंडी जिले में और 74 निकटवर्ती कुल्लू जिले की हैं।

पुलिस वाहन की चपेट में आने से शौच के लिए गई महिला की मौत

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में बुधवार तड़के शौच के लिए बाहर गई 34 वर्षीय महिला की कथित तौर पर एक अनियंत्रित पुलिस वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना मोहनगंज थाना क्षेत्र के चेतारा गांव के पास हुई। पुलिस के अनुसार, चेतारा निवासी अंजुम बानो (34) सुबह करीब चार बजे शौच के लिए बाहर गई थीं और सड़क किनारे बैठी थीं, तभी तेज रफ्तार पुलिस वाहन ने नियंत्रण खो दिया, उन्हें टक्कर मार दी और खाई में पलट गई। पुलिस ने बताया कि परिवार के सदस्य उन्हें तिलोई के रेफरल अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मोहनगंज के थाना प्रभारी राकेश कुमार ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत अमेठी जिले को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) घोषित किया गया है और दावा किया जाता है कि हर घर में शौचालय है।

पहले 7 पेपर थे, अब तो 11 में कोई एक कागज मांगे रहे

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार एसआईआर को वोटर फ्रेंडली बताया

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रमतदाता-अनुकूल बताया और स्वीकार्य पहचान दस्तावेजों की संख्या में विस्तार पर जोर दिया और आधार को शामिल न करने की चिंताओं को खारिज कर दिया। अदालत ने यह भी जाँच की कि क्या वैधानिक प्रपत्र को समाहित करने वाले गणना प्रपत्र को विरोधाभासी या अधिक समावेशी माना जा सकता है। पीठ ने पूछा कि यदि कोई गणना प्रपत्र वैधानिक प्रपत्र को अपने दायरे में ले लेता है, तो क्या यह उल्लंघन होगा या अधिक समावेशी अनुपालन होगा? याचिकाकताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर नागरिकता प्रमाण पर अपना रुख पलटने का आरोप लगाया। सिंघवी ने कहा कि ईसीआई नागरिकता प्रमाण पर पूरी तरह से पलट गया है। किसी को आपत्तिकर्ता बनना होगा और कहना होगा कि अमुक व्यक्ति नागरिक नहीं है। फिर ईआरओ नोटिस जारी करता है और मुझे जवाब देने का समय देता है। आप दो महीने में सारे व्यापक न्यायिक कार्य कैसे कर पाएँगे? दिसंबर से एसआईआ? करें और पूरा एक साल लग जाए, कोई भी इसके खिलाफ नहीं होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि फॉर्म 6 के तहत भी, आधार नामांकन के लिए एक वैध दस्तावेज बना हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि इस धारणा को पूरी तरह से उलट दिया है।

> याचिकाकताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर नागरिकता प्रमाण पर अपना रुख पलटने का आरोप लगाया। सिंघवी ने कहा कि ईसीआई नागरिकता प्रमाण पर पूरी तरह से पलट गया है। किसी को आपत्तिकर्ता बनना होगा और कहना होगा कि अमुक व्यक्ति नागरिक नहीं है।

राहुल का बिहार के मृत घोषित वोटर्स के साथ वीडियो

बोले-जिंदगी में पहली बार मरे लोगों के साथ चाय पी, शुक्रिया चुनाव आयोग

नई दिल्ली, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर बिहार के कुछवोटर्स के साथ चाय पीने का वीडियो शेयर किया। राहुल का दावा है कि ये लोग वोटर लिस्ट में मृत घोषित किए गए हैं।राहुल ने वीडियो शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा- जिंदगी में कई अनुभव हुए, लेकिन मरे हुए लोगों के साथ चाय पीने का मौका पहली बार मिला। इस अनोखे अनुभव के लिए शुक्रिया चुनाव आयोग।यह वीडियो तब आया है, जब बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया चल रही है और विपक्ष लगातार मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप लगा रहा है। राहुल ने 7 अगस्त को आरोप लगाया था कि मतदाता सूचियों में फर्जी नाम जोड़े जा रहे हैं और उदाहरण के तौर पर कर्नाटक की वोटर लिस्ट दिखाई थी।

मेरी जान को खतरा है : कोर्ट में बोले राहुल

राहुल गांधी ने पुणे कोर्ट में डाली अर्जी, महात्मा गांधी की भी हत्या का है जिक्र

> कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पुणे की एक अदालत को सूचित किया कि उनके हालिया राजनीतिक संघर्षों और उनके खिलाफ मानहानि के मामले में शिकायतकर्ता सत्यकी सावरकर के वंश को देखते हुए उन्हें जान का खतरा है।

एजेंसी

पुणे की एक अदालत में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि उन्हें जान का खतरा है। यह खतरा उन्होंने सावरकर मानहानि केस को लेकर जताया है। उन्होंने कहा- मेरे खिलाफ मानहानि की शिकायत करने वाले नाथूराम गोडसे के वंशज हैं। राहुल गांधी ने एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट से अपील की है कि उनकी सुरक्षा और केस की निष्पक्ष सुनवाई के लिए प्रिवेंटिव प्रोटेक्शन दी जाए। यह राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी है। कोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई 10 सितंबर को करेगी।राहुल के वकील मिलिंद पवार ने कोर्ट में लिखित सूचना देकर कहा कि वोट चोरी का मामला उजागर करने के बाद राहुल गांधी को खतरा बढ़ गया है।मिलिंद ने बताया कि बीजेपी नेता आरएन बिट्टू ने राहुल को आतंकवादी कहा था, जबकि बीजेपी नेता तरविंदर मारवाह ने खुली धमकी दी कि अगर राहुल सही व्यवहार नहीं करेंगे तो उनका अंजाम उनकी दादी जैसा हो सकता है। शिकायतकर्ता सत्यकी का संबंध सावरकर और गोडसे परिवार से है। वह अपने प्रभाव का दुरुपयोग कर सकते हैं। याचिका में कहा गया- महात्मा गांधी की हत्या एक सोची-समझी साजिश थी और ऐसे पारिवारिक इतिहास को देखते हुए उन्हें नुकसान पहुंचने या गलत तरीके से फंसाए जाने का खतरा है।

राहुल गांधी ने कहा था कि सच्चा हिंदू कभी हिंसक नहीं होता, नफरत नहीं फैलाता। बीजेपी नफरत और हिंसा फैलाती है। इस बयान के बाद बीजेपी नेताओं ने उन पर हिंदू समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाया। इसी मामले में 3 जुलाई को पुणे के एमपी-एमएलए कोर्ट ने सावरकर के पोते सत्यकी सावरकर की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी से वह पुस्तक दिखाने की मांग की थी, जिसमें उन्होंने सावरकर के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी की थी।

लंदन में कहा था- सावरकर ने मुस्लिम को पीटा था

मार्च 2023 में राहुल गांधी ने लंदन में एक भाषण में दावा किया था कि वीडी सावरकर ने एक किताब में लिखा था कि उन्होंने और उनके पांच से छह दोस्तों ने एक बार एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी और उन्हें इससे खुशी हुई थी। इस भाषण का हवाला देते हुए सत्यकी सावरकर ने गांधी के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराया है।

भाजपा की कठपुतली बन गया है चुनाव आयोग

> विरोध मार्च के दौरान गहलोत ने एएनआई से कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, शरद पवार, अखिलेश यादव, इन सभी लोगों ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के जरिए पूरे देश में यह संदेश दिया है कि वोट चोरी हो रहे हैं। राहुल गांधी ने भी आँकड़े दिए हैं, और चुनाव आयोग उनसे हलफनामा मांग रहा है। हमने ऐसा पहली बार देखा है।

वोट चोरी के खिलाफ जयपुर में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

कांग्रेस ने बुधवार को राजस्थान के जयपुर में वोट चोरी के खिलाफ एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट समेत राज्य में पार्टी के शीर्ष नेताओं ने इस रैली में हिस्सा लिया। गहलोत ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से उनके वोट चोरी के आरोप की जाँच के लिए हलफनामा मांगने पर चुनाव आयोग की आलोचना की। विरोध मार्च के दौरान गहलोत ने एएनआई से कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, शरद पवार, अखिलेश यादव, इन सभी लोगों ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के जरिए पूरे देश में यह संदेश दिया है कि वोट चोरी हो रहे हैं। राहुल गांधी ने भी आँकड़े दिए हैं, और चुनाव आयोग उनसे हलफनामा मांग रहा है। हमने ऐसा पहली बार देखा है। गहलोत ने कहा कि जो हो रहा है वह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है... बिहार में 60 लाख वोट काटे गए, लेकिन एक भी वोट नहीं जोड़ा गया... इसके खिलाफ प्रदेश कांग्रेस कमेटी विरोध प्रदर्शन कर रही है, जिसमें सभी लोग भाग ले रहे हैं। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने आरोप लगाया कि देश की संवैधानिक संस्थाओं को खोखला करने की कोशिश की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने किया तिरंगा यात्रा का नेतृत्व, युवाओं संग ली सेल्फी ,हाथ में तिरंगा लेकर लखनऊ की सड़कों पर उतरा भारत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया हर घर तिरंगा अभियान (13-15 अगस्त) का शुभारंभ

एजेंसी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश आजादी के 78वर्ष पूरे कर रहा है। आजादी के इस अमृतकाल में हर भारतीय के मन में संविधान, राष्ट्रीय प्रतीकों, राष्ट्रीयता, क्रांतिकारियों-महापुरुषों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव और प्रगाढ़ हो। यह हर जन, हर घर तक पहुंचे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा के माध्यम से इसे हम सभी देख रहे हैं। तिरंगा यात्रा केवल यात्रा नहीं, बल्कि भारत मां, महापुरुषों, क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के प्रति हमारी कृतज्ञता भी है। हर गांव, नगर, जनपद में तिरंगा यात्रा इसका उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यूपी में भी हर घर तिरंगा, सेल्फी विद तिरंगा से जुड़ रहे हैं। देश और सैनिकों के सम्मान तथा आन-बान-शान का प्रतीक तिरंगा हर भारतीय के घर में लहराया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को हर घर तिरंगा अभियान (13-15 अगस्त) का शुभारंभ किया।

भारतीय नागरिक बनने से पहले ही सोनिया गांधी बन गईं थीं वोटर

अमित मालवीय का बड़ा दावा

अमित मालवीय ने आगे कहा कि उनका नाम पहली बार 1980 में मतदाता सूची में आया था - उनके भारतीय नागरिक बनने से तीन साल पहले और उनके पास अभी भी इतालवी नागरिकता थी। उस समय, गांधी परिवार 1, सफदरजंग रोड पर रहता था, जो प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का आधिकारिक निवास था।

एजेंसी

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पलटवार करते हुए बताया है कि कैसे उनकी माँ और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का नाम भारतीय नागरिक बनने से पहले ही इस सूची में जोड़ दिया गया। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत की मतदाता सूची के साथ सोनिया गांधी का रिश्ता चुनावी कानूनों के घोर उल्लंघनों से भरा हुआ है।

हैदराबाद में स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी पर मांस बिक्री पर लगा बैन

> जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने जीएचएमसी अधिनियम, 1955 की धारा 533(बी) के तहत जारी किया और हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा के पुलिस आयुक्तों को प्रवर्तन सहयोग के लिए सूचित किया।

ओवैसी बोले- हम क्या खाते हैं ये हमारी आजादी है

एजेंसी

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी के अवसर पर 15 और 16 अगस्त को अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी पशु वधशालाओं और खुदरा गोमांस की दुकानों को बंद रखने का आदेश जारी किया है। यह निर्देश जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने जीएचएमसी अधिनियम, 1955 की धारा 533(बी) के तहत जारी किया और हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा के पुलिस आयुक्तों को प्रवर्तन सहयोग के लिए सूचित किया।

कानूनी और राजनीतिक विवाद

तेलंगाना उच्च न्यायालय में दायर एक याचिका में तर्क दिया गया है कि जीएचएमसी अधिनियम की धारा 533(बी) आयुक्त को बिना किसी विशिष्ट कारण बताए पूरी तरह से व्यावसायिक बंदी लागू करने का स्पष्ट अधिकार नहीं देती है। न्यायालय ने जीएचएमसी को अपने आदेश का कानूनी आधार स्पष्ट करने का निर्देश दिया है, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 14 और 19(1)(जी) तथा व्यापार एवं आजीविका के अधिकार के संभावित उल्लंघनों का उल्लेख किया गया है।

राजनीतिक आलोचना

इस निर्देश की हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी सहित कई राजनीतिक नेताओं ने आलोचना की है।

कौन बनेगा करोड़पति एपिसोड विवाद में घिरा

शो में महिला सैन्य अधिकारियों की वर्दी में मौजूदगी पर उठे सवाल

> देखा जाये तो यह विवाद सिर्फ एक टीवी उपस्थिति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दो बड़े मुद्दों को छूता है। सवाल उठता है कि क्या वदीधारी अधिकारियों को मनोरंजन कार्यक्रमों में शामिल होना चाहिए, विशेषकर जब उसमें संवेदनशील सैन्य अभियानों की चर्चा हो?

एजेंसी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोकप्रिय टीवी क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति में तीन महिला सैन्य अधिकारियों– कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और मेजर प्रेरणा देवस्थली की उपस्थिति को लेकर विपक्ष ने गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। केरल कांग्रेस ने एक्स पर कहा कि किसी गंभीर और पेशेवर सैन्य परंपरा वाले देश में यह कल्पना भी नहीं की जा सकती कि वदीधारी अधिकारी एक निजी मनोरंजन शो में वह भी पूरी वर्दी में, किसी फिल्म अभिनेता को किसी सैन्य अभियान की रणनीति समझाएं। पार्टी ने आरोप लगाया, तीन वदीधारी अधिकारी एक प्राइवेट एंटरटेनमेंट शो में बैठकर एक बॉलीवुड अभिनेता को ऑपरेशन की योजना समझा रहे हैं।

आरोप | एसआईआर विवाद के बीच बीजेपी पर तेजस्वी का बड़ा आरोप

गुजरात के लोग बन रहे हैं बिहार के वोटर

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को आरोप लगाया कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा का एक वरिष्ठ पदाधिकारी अपना मतदाता पंजीकरण कई राज्यों में स्थानांतरित कर रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में, यादव ने दावा किया कि गुजरात निवासी और बिहार भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव भीखू भाई दलसानिया, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के करीबी विश्वासपात्र हैं, ने गुजरात की मतदाता सूची से अपना नाम हटाकर बिहार में मतदाता के रूप में पंजीकरण करा लिया है। तेजस्वी यादव ने लिखा कि यह भीखू भाई दलसानिया जी हैं। वे गुजरात के निवासी हैं। वे बिहार भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के करीबी विश्वासपात्र हैं। उन्हें भाजपा के विशेष बिहार प्रोजेक्ट का काम सौंपा गया है। यादव ने दावा किया कि दलसानिया पहले अमित शाह के गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र में मतदान करते थे और बिहार चुनाव के बाद किसी अन्य राज्य में पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह जी के लोकसभा क्षेत्र गांधीनगर में मतदान किया था। अब, बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही, उन्होंने गुजरात की मतदाता सूची से अपना नाम हटा लिया है और बिहार में मतदाता बन गए हैं। बिहार चुनाव समाप्त होने के बाद, वह संभवतः किसी अन्य राज्य में मतदाता बन जाएँगे। उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि वे पाँच वर्षों में कितनी बार और कितने राज्यों में मतदान करते हैं। यादव के अनुसार, बिहार की मतदाता सूची में दलसानिया का कोई पता या मकान नंबर नहीं है, और उनका नाम हिंदी के बजाय गुजराती भाषा में है, जिससे उनका दावा है कि हिंदी भाषी मतदाताओं के लिए पहचानना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने कहा कि बिहार में जिस जगह वह मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं, वहां मतदाता सूची में उनका कोई पता या मकान नंबर दर्ज नहीं है। बिहार की मतदाता सूची में उनका नाम हिंदी में नहीं, बल्कि गुजराती भाषा में लिखा है, ताकि कोई भी हिंदी भाषी इसे पढ़ न सके। चुनाव आयोग की महानता असीम है, लेकिन इस बार हम हर विवरण पर कड़ी नजर रख रहे हैं। हम बिहार में चुनाव आयोग की वोट चोरी को सफल नहीं होने देंगे। इससे पहले आज, यादव ने आरोप लगाया कि भारत का चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर अपने नेताओं और कार्यकताओं को दो मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर जारी करके बिहार में मतदाता सूची में हेरफेर कर रहा है।

> तेजस्वी यादव ने लिखा कि यह भीखू भाई दलसानिया जी हैं। वे गुजरात के निवासी हैं। वे बिहार भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव हैं। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के करीबी विश्वासपात्र हैं। उन्हें भाजपा के विशेष बिहार प्रोजेक्ट का काम सौंपा गया है।

जब गुप्त मतदान से चुनाव होंगे तो तथाकथित चाणक्य पूरी तरह हार जाएंगे

कपिल सिब्बल का अमित शाह पर तंज

> रूडी ने 25 साल की सत्ता विरोधी लहर का सामना करने के बावजूद, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के सचिव (प्रशासन) के रूप में अपना पद बरकरार रखा और अपने साथी पार्टी सदस्य संजीव बालियान को हराया, जिन्हें केवल 290 वोट मिले।

एजेंसी

नयी दिल्ली। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने हाल ही में संपन्न कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद राजीव प्रताप रूडी की जीत को लेकर शाह पर तंज कसा। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि जब चुनाव गुप्त मतदान से होते हैं, तो तथाकथित चाणक्य आसानी से हार जाते हैं। बिहार में, अगर चुनाव निष्पक्ष होता है, तो चाणक्य फिर से हार जाएँगे। रूडी ने 25 साल की सत्ता विरोधी लहर का सामना करने के बावजूद, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के सचिव (प्रशासन) के रूप में अपना पद बरकरार रखा और अपने साथी पार्टी सदस्य संजीव बालियान को हराया, जिन्हें केवल 290 वोट मिले। जश्न के बीच, भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी ने अपनी जीत का श्रेय अपने पैनल को दिया और कहा कि मैं शायद 100 से ज्यादा वोटों से जीता हूँ। और अगर इसे 1000 मतदाताओं से गुणा किया जाए, तो यह संख्या 1 लाख हो जाती है।

सम्पादकीय

अंगदान अभियान की प्रतीक्षा करता देश, भारत में विश्वस्तरीय अंग प्रत्यारोपण सर्जन तो हैं, पर देश में अंगदान की दर दुनिया में सबसे कम

अंगदान केवल एक नैदानिक प्रक्रिया (क्लिनिकल ट्रायल) नहीं है। यह मानवता से जुड़ा सर्वोच्च काम है। एक अंगदाता अपना हृदय फेफड़े लिवर किडनी अग्नाशय (पैंक्रियाज) और ऊतक(टिश्यू) दान करके आठ लोगों की जान बचा सकता है।एक अंगदाता अनंत आशा का पर्याय है।दूसरों को जीवित रखने के लिए अपने अंगदान करना शायद सबसे यादगार विरासत है जो आसानी से अपने पीछे छोड़कर जाई जा सकती है। भारत ने पिछले दशक में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में शानदार प्रगति दर्ज की है और स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत किया है और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम किया है। देश गैर-संक्रामक रोगों से निपटा है और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच को आगे बढ़ाया गया है, लेकिन जब अंग प्रत्यारोपण (आर्गन ट्रांसप्लांटेशन) की बात आती है, तो दुर्भाग्य से एक न दिखने वाला संकट हजारों लोगों की जान ले रहा है। अंगदान दिवस हमें याद दिलाता है कि हम बड़े पैमाने पर अंगदान की आवश्यकता को तत्काल पूरा करने के लिए कोई ठोस पहल करें। अंग प्रत्यारोपण के अभाव में जान गंवाने से बड़ी कोई त्रासदी नहीं है। अंगों की अनुपलब्धता के कारण हर साल देश में लगभग पांच लाख लोगों की जीवन रक्षक प्रत्यारोपण का इंतजार करते हुए मृत्यु हो जाती है। यह दुःखद है। प्रत्यारोपण के लिए अंग की कमी के कारण देश के तमाम लोगों को खोना हम रोक सकते हैं।हमारे पास चिकित्सा विशेषज्ञता है।हमें बस राष्ट्रीय स्तर पर अंगों की आपूर्ति और मांग के बीच के अंतर को पाटने के लिए एक सामूहिक इच्छाशक्ति चाहिए। भारत में मरीजों की आवश्यकताओं, अंगों की उपलब्धता और प्रत्यारोपण के बीच के अंतर से स्पष्ट है कि तुरंत बदलाव की जरूरत है। लगभग अंतिम चरण के गुर्दे (किडनी) की बीमारी वाले 2,00,000 मरीज, 50,000 गंभीर लिवर (यकृत) विफलता वाले मरीज और 50,000 गंभीर हृदय रोग वाले मरीजों को अपनी जान बचाने के लिए प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है।इसके विपरीत हर साल केवल लगभग 1,600 किडनी, 700 लिवर और 300 हृदय प्रत्यारोपित किए जाते हैं। हर दिन कम से कम 15 मरीज अंग के इंतजार में दम तोड़ देते हैं। हर 10 मिनट में प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा सूची में एक नया नाम जुड़ जाता है और हर एक की जान खतरे में होती है। अंतिम चरण की किडनी की बीमारी वाले पांच प्रतिशत से भी कम मरीजों को जीवन रक्षक किडनी का प्रत्यारोपण हासिल हो पाता है। हृदय और फेफड़ों के मरीजों की स्थिति और भी गंभीर है। भारत में विश्वस्तरीय अंग प्रत्यारोपण सर्जन तो हैं, लेकिन देश में अंगदान की दर दुनिया में सबसे कम है।प्रति 10 लाख जनसंख्या पर केवल 0.65 अंगदाता हैं।

आज का विचार

राशिफल

मेष राशिः दिन उत्तम रहने वाला है और बिजनेस में आपकी कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है, जिससे लाभ कमाने के नए अवसर प्राप्त होंगे। वहीं, समाज में भी मान-सम्मान प्राप्त होगा जिससे मन प्रसन्न रहेगा। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी और आपको किसी कार्यक्रम में शामिल होने का मौका भी मिल सकता है।

वृषभ राशिः व्यापार के मामले में आप नई योजनाएं बना सकते हैं और कहीं यात्रा पर जाने का योग भी बन रहा है, जिससे आपको सुकून महसूस होगा। अगर आप किसी लंबे समय से किसी कानूनी विवाद में फंसे थे तो अब उसमें सफलता प्राप्त हो सकती है।

मिथुन राशिः आप रचनात्मक कार्यों में ज्यादा समय व्यतीत कर सकते हैं और इससे लाभ कमाने के अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी आप उसी प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं, जिसमें आपको सबसे अधिक दिलचस्पी है। इससे मानसिक तनाव कम होगा और आप हर काम को पूरे उत्साह के साथ करेंगे।

कर्क राशिः कारोबार और व्यापार के मामले में दिन उत्तम रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप जिस भी प्रोजेक्ट में पूरी मेहनत और लगन के साथ काम करेंगे उसमें सफलता जरूरी प्राप्त होगी। अगर लंबे समय से जरूरी काम अधूरे पड़े थे तो वे भी पूरे होने लगेंगे और कामकाज को लेकर मीटिंग भी हो सकती है।

सिंह राशिः कामकाज के सिलसिले में आप ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। वहीं, आपको कार्यक्षेत्र में अपने कुछ सीनियर और विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत होगी। वरना ये आपके काम में रुकावट डालने का प्रयास कर सकते हैं।

कन्या राशिः कार्यक्षेत्र में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में आपको कटु वाणी का प्रयोग करने से बचना होगा और संयम के साथ फैसले लेने होंगे। अपने आसपास चल रहे किसी भी विवाद से दूर रहना आपके लिए बेहतर रहेगा।

तुला राशिः दिन लाभदायक रहने वाला है। अगर कार्यक्षेत्र में लंबे समय से कामकाज को लेकर कोई समस्या या विवाद चल रहा था तो वह अब दूर हो सकता है। व्यापार में आपको कोई नया प्रोजेक्ट प्राप्त हो सकता है

वृश्चिक राशिः कारोबार के मामले में आपका दिन बेहद भाग्यशाली रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में दिनभर लाभ कमाने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको प्रयास करते रहना होगा।

धनु राशिः कार्यक्षेत्र में आपको कोई भी काम पूरी सावधानी के साथ करना होगा, अन्यथा परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बिजनेस के मामले में कुछ जोखिम भरे फैसले लेने से आपको भविष्य में बड़ा लाभ होने की संभावना है।

मकर राशिः अगर आप पार्टनरशिप में बिजनेस चला रहे हैं, तो कोई बढ़ा फायदा मिलने की संभावना है। आपका काम तेजी से पूरा होगा और अधूरे काम भी पूर्ण होने लगेंगे। इसी के चलते आप परिवार में ज्यादा समय बिता सकते हैं

कुंभ राशि : व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। आपको लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए प्रयास करते रहना जरूरी होगी। जल्दबाजी में फैसले लेने से परेशानी खड़ी हो सकती है। ऐसे में कार्यक्षेत्र में कोई भी फैसला सोच-समझकर ही लें। आपको स्वास्थ्य पर भी खास ध्यान देने की जरूरत है और परिवार के मामले में दिन सामान्य रहने वाला है।

मीन राशिः कार्यक्षेत्र में आपका दिन लाभ दिलाने वाला हो सकता है और व्यापार में जोखिम उठाने से कुछ बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अगर आप किसी परेशानी का सामना कर रहे हैं, तो उसे धैर्य और अपनी मधुर वाणी से दूर कर सकते हैं। नौकरी करने वाले अपनी बुद्धिमानी से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप संकट में फंसे किसी व्यक्ति भी सहायता कर सकते हैं। परिवार में चल रही समस्याओं को शांति से बैठकर सुलझाना होगा।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कश्मीर को लेकर सतर्क रहें सरकार

विधानसभा चुनावों का शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होना और भारी संख्या में लोगों की भागीदारी भी उत्सावर्धक रही। इस सबसे पाकिस्तान का विचलित होना स्वाभाविक है। पहलगाम का आतंकी हमला इसी खीझ का परिणाम रहा जिसका भारत ने कूटनीतिक और सैन्य मोर्चे पर आपरेशन सिंदूर के रूप में बेहद कड़ा जवाब दिया।

पा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटे छह वर्ष हो गए। इस अवसर पर अनेक आयोजन हुए, लेकिन इसके थोड़ा पहले इस केंद्रशासित प्रदेश में सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस ने 13 जुलाई को शहीदी दिवस आयोजन की अनुमति मांगी। यह अनुमति एक तरह के उकसावे की कार्रवाई थी। अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के अलग केंद्रशासित प्रदेश बनने और संवैधानिक परिवर्तन के बाद शहीदी दिवस आयोजन पर रोक लग गई थी, क्योंकि एक बड़ी आबादी और खासकर गैर-मुस्लिम इसे लेकर असहज रहते थे। ऐसे में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा शहीदी दिवस आयोजन की मंशा पर सवाल उठना स्वाभाविक है। जब चीजें सामान्य हो रही हैं तब वे ऐसा कुछ क्यों करना चाहते हैं, जिससे तनाव बढ़ जाए? इतिहास के पन्ने पलटें तो जम्मू-कश्मीर में 13 जुलाई, 1948 को पहली बार शहीदी दिवस आयोजित किया गया। इस आयोजन की जड़ें 1931 की एक घटना से जुड़ी हैं। नार्थ वेस्ट फ्रंटियर प्राविंस में एक अंग्रेज अधिकारी के यहां अब्दुल कादिर नाम का रसोइया था। उस रसोइये ने महाराजा के विरुद्ध विद्रोह किया। राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तारी के बाद उसे श्रीनगर केंद्रीय कारागार में डाल दिया गया। इससे एक शंका गहराई कि नार्थ वेस्ट फ्रंटियर प्राविंस का एक मुस्लिम जम्मू-कश्मीर के महाराजा को आखिर क्यों अपदस्थ करना चाहता था? इसमें उसका क्या दांव लगा था या फिर वह एक बड़ी ब्रिटिश साजिश का महज एक मोहरा था? कादिर की गिरफ्तारी के विरोध और रिहाई की मांग को लेकर लोग सड़कों पर उतर आए। जेल के बाहर 13 जुलाई, 1931 को जुटे प्रदर्शनकारी हिंसक होकर हिंदुओं की संपत्ति लूटने और उसके विध्वंस पर आमादा हो गए। राज्य को हस्तक्षेप करना पड़ा, जिसमें कुछ प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। इसके बाद हिंसा ने शहर के अन्य हिस्सों को भी अपनी चपेट में ले लिया। महाराजगंज इलाके में सबसे अधिक नुकसान हुआ। दंगाइयों ने जिस तरह टेलीफोन और बिजली के तार काटे, उससे यही संदेह पुख्ता हुआ कि यह सब सुनियोजित था। हिंदुओं की दुकानें और घर आग के हवाले कर दिए थे। महिलाओं का उत्पीड़न किया गया। पुलिस की रक्षात्मक कार्रवाई में 22 दंगाई मारे गए थे। इस घटना की आड़ में अंग्रेजों ने महाराजा पर दबाव डालकर उनसे गिलगिट का इलाका लीज पर लेने में सफल रहे। इस साजिश का तानाबाना ही संभवतः अंग्रेजों ने बुना था। तब अंग्रेज रूसी विस्तारवाद से चिंतित थे और गिलगिट पर नियंत्रण चाहते थे। गिलगिट रणनीतिक रूप से रूस, चीन और अफगानिस्तान के बीच में स्थित है, जिसे अंग्रेज रूसी विस्तार को देखते हुए बफर के रूप में इस्तेमाल करना चाहते थे। वर्ष 1935 में गिलगिट को 60 वर्षों के लिए लीज पर लेकर अंग्रेजों ने इस क्षेत्र का प्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण हासिल कर लिया। यह लीज 1947 में भारत विभाजन के बाद प्रभावी नहीं रह गई। उस दौर में शेख अब्दुल्ला सांप्रदायिक विभाजन को भुनाना चाहते थे। उन्होंने 1932 में जम्मू एंड कश्मीर मुस्लिम कांफ्रेंस नाम से नई पार्टी बनाई थी। उसका दायरा बढ़ाने के लिए 1939 में उसका नाम बदलकर जम्मू एंड कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस किया। अक्टूबर 1947 में भारत के साथ विलय के बाद महाराजा हरि सिंह ने प्रधानमंत्री नेहरू के जोर देने पर शेख अब्दुल्ला को 5 मार्च, 1948 को जम्मू-कश्मीर का प्रधानमंत्री नियुक्त किया। उसी साल शेख अब्दुल्ला ने उन मारे गए लोगों की स्मृति में 13 जुलाई को यौम-ए-शुहादा यानी शहीदी दिवस के रूप में मनाने और सार्वजनिक अवकाश की परंपरा शुरू की। यह राजनीतिक पैठ बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया कदम था। सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत बनाने के लिए शेख ने सांप्रदायिक भावनाओं का सहारा लिया। कश्मीर रियासत की बात करें तो डोगरा शासन उसके लिए सबसे अधिक समृद्धि वाला रहा। उसके किसी राजा को गद्दी से हटाने के लिए सुनियोजित षड्यंत्र को आजादी के आंदोलन के रूप में चित्रित करना तत्कालीन परिस्थितियों का नितांत गलत आकलन होगा। प्रदर्शनकारियों ने अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को निशाना बनाकर लूटपाट की। ऐसे लोगों को कभी शहीद का दर्जा दिया ही नहीं जाना चाहिए। यही कारण है कि जम्मू संभाग में 13 जुलाई एक काले दिन के रूप में देखा जाता है। क्या वर्तमान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी अपने दादा के पदचिह्नों पर चलते हुए शहीदी दिवस के बहाने सांप्रदायिक तनाव को भड़काने की जुगत में थे? अनिश्चित भू-राजनीतिक परिदृश्य में इसके और जोखिम बढ़ जाते हैं, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि उमर इसके माध्यम से पता नहीं किसके हितों को आगे बढ़ा रहे हैं। इस क्षेत्र में चीन से लेकर अमेरिका और पाकिस्तान तक अपनी चालें चलते रहते हैं। इसलिए इस कदम की जरा भी अनदेखी न की जाए। इससे उन प्रयासों को पलीता लग सकता है, जिनके चलते बीते कुछ समय से जम्मू-कश्मीर में स्थितियां सुधरी हैं। पिछले साल यहां पत्थरबाजी की एक भी घटना नहीं देखने को मिली। आतंकी वारदातों की संख्या भी घटी है। राज्य में सामान्य होती स्थिति का एक बड़ा प्रमाण पर्यटकों की आवक में तेज बढ़ोतरी भी है। विधानसभा चुनावों का शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होना और भारी संख्या में लोगों की भागीदारी भी उत्सावर्धक रही। इस सबसे पाकिस्तान का विचलित होना स्वाभाविक है। पहलगाम का आतंकी हमला इसी खीझ का परिणाम रहा, जिसका भारत ने कूटनीतिक और सैन्य मोर्चे पर आपरेशन सिंदूर के रूप में बेहद कड़ा जवाब दिया। इस सैन्य कार्रवाई के साथ ही हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि पहलगाम में हमले को अंजाम देने वालों को स्थानीय लोगों का समर्थन-सहयोग मिला। बेहतर यह होगा कि जम्मू-कश्मीर में 19 जनवरी का दिन चेतना दिवस के रूप में मनाया जाए। 1990 में इसी दिन कश्मीर घाटी में हिंदुओं का नरसंहार हुआ और उन्हें बेदखल किया गया। यह राष्ट्र की सामूहिक चेतना पर बड़ा आघात था। जम्मू-कश्मीर में वास्तविक शांति तभी आएगी, जब कश्मीरी हिंदू सुरक्षित रूप से घर वापस लौट सकें, लेकिन यह किसी तरह के ध्रुवीकरण वाले माहौल में नहीं हो सकता।

शिक्षा-चिकित्सा को मुनाफाखोरी से बचाने का भागवत-आह्वान

ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने इंदौर के एक किफायती कैंसर अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर जो बात कही, वह आज की सबसे बड़ी सामाजिक-आर्थिक और नैतिक आवश्यकता को उजागर करती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिक्षा और चिकित्सा जैसे बुनियादी क्षेत्रों को मुनाफाखोरी से मुक्त होना चाहिए, क्योंकि ये सेवा के क्षेत्र हैं, व्यापार के नहीं। हाल के वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण एवं व्यावसायीकरण हुआ है, सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र ने इसे धन कमाने का जरिया बनाया है, वह न केवल नये समाज निर्माण की चिन्ताओं बल्कि एक दूषित सोच को दर्शाता है। क्योंकि उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेलते हुए जरूरी चिकित्सा से वंचित किया है। इस मर्ज की रग पर हाथ रखते हुए भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है। भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को प्रारंभ से ही सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। लेकिन दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं और सेवा की बजाय धन कमाने के अड्डे बन गये हैं। आज निजी क्षेत्र के साथ-साथ सरकारों की मानसिकता भी धन-केन्द्रित होती जा रही है, जिससे आमजन को सस्ते एवं किफायती शिक्षा एवं चिकित्सा के साधन-सुविधाएं सुलभ नहीं हो रही है। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। इन जटिल होती स्थितियों के बीच भागवत का यह बयान केवल एक सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है-सरकार, नीति-निमार्ताओं और समाज के लिए। शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों ही मानव जीवन के मूलभूत स्तंभ हैं। लेकिन आज इन दोनों क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती व्यावसायिक प्रवृत्तियां इन्हें सेवा के बजाय मुनाफे की मशीन बना रही हैं। निजी स्कूलों की भारी फीस, कोचिंग संस्थानों की प्रतिस्पर्धा और महंगे मेडिकल कॉलेजों की ट्यूशन-इन सबने शिक्षा को गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर कर दिया है। इसी तरह, अस्पतालों और दवा कंपनियों का अत्यधिक मुनाफा-उन्मुख मॉडल स्वास्थ्य को एक महंगे उत्पाद में बदल रहा है।निस्संदेह, मोहन भागवत की यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों एवं विकृत आर्थिक सोच पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। वहीं करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग, मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है। इन विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक स्थितियों के बीच मोहन भागवत का यह संदेश न केवल आर्थिक सुधार का आह्वान है, बल्कि सामाजिक पुनर्जागरण का भी। शिक्षा और चिकित्सा को व्यापार से मुक्त करना सिर्फ भावनात्मक या नैतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र की स्थिरता और समानता का प्रश्न है। जब गरीब को इलाज न मिले, और होनहार छात्र को शिक्षा से वंचित रहना पड़े, तब असमानता, असंतोष और सामाजिक अशांति बढ़ती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया भारत, विकसित भारत, विश्वासभरा भारत का नारा कोरा दिखावा ही प्रतीत होता है। नये भारत में जब आम जनता से करो के रूप में भारी भरकम रकम वसूली जा रही है, जो उस रकम को जनकल्याण एवं जनसेवा में खर्च किया जाना चाहिए। आजादी के बाद से सरकार पर शिक्षा एवं चिकित्सा की ही जिम्मेदारी डाली गयी थी, जिसको सरकारों ने बड़ी चतुराई से धीरे-धीरे निःशुल्क की बजाय सशुल्क करने की कारगरी दिखाई है, जो जनता के विश्वास को आहत करने वाली है। इसलिये भागवत का यह बयान सरकार के लिए आंख खोलने वाला होना चाहिए। नीति-स्तर पर ऐसे कदम जरूरी हैं जिनसे-सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों को उच्च गुणवत्ता के साथ सशक्त एवं जनसुलभ किया जाए। निजी क्षेत्र में फीस और इलाज की दरों पर प्रभावी नियंत्रण हो। सेवा-भाव को बढ़ाने के लिए कर-छूट और प्रोत्साहन मिलें, जबकि मुनाफाखोरी पर कठोर दंड लागू हो। स्वास्थ्य और शिक्षा में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू किया जाए, इन दोनों क्षेत्रों से धन कमाने की प्रवृत्तियों को अपराध माना चाहिए। यह भी तय किया जाये कि इन दोनों क्षेत्रों में सेवा एवं मिशन भावना से आने वालों को ही मान्य किया जाये, धन कमाने वालों के लिये इन दोनों क्षेत्रों के दरवाजे बन्द हो। शिक्षा और स्वास्थ्य में मुनाफाखोरी को रोकना केवल कानून से संभव नहीं, इसके लिए समाज में मूल्य-आधारित सोच का विकास भी आवश्यक है। सेवा-भाव, मानवीय संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण मूल्याधारित आर्थिक ढांचा-यही स्थायी समाधान हैं। मोहन भागवत की यह पहल यदि नीतिगत बदलावों में परिणत होती है, तो यह भारत को न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी मजबूत बनाएगी। भागवत ने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की भी अपील की। वर्तमान में कॉर्पोरेट जगत ने सीएसआर फण्ड को स्वयं के बनाये ट्रस्टों में दिखाकर सरकार के सीएसआर प्रावधानों की धज्जियां उडा रखी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच और दर्शन में शिक्षा और चिकित्सा हमेशा ह्रसेवा और संस्कारह्व के मूल्यों से जुड़ी रही है। संघ मानता है कि राष्ट्र निर्माण का असली आधार स्वस्थ और शिक्षित नागरिक हैं और इन दोनों आवश्यकताओं को समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और समान रूप से पहुंचाना ही सच्ची देशभक्ति है। डॉक्टर को केवल इलाज का शुल्क लेने वाला पेशेवर नहीं, बल्कि रोगी की पीड़ा का साझेदार मानना और शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला कर्मी नहीं, बल्कि जीवन-निमार्ता के रूप में देखना-यही संघ का दृष्टिकोण है।

देश-काल : राष्ट्रवाद बनाम धार्मिक कट्टरता, बौद्धिक संतुलन की दरकार

संजीव ठाकुर

राष्ट्रवाद सार्वभौमिक सत्य है। राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रवाद की भूमिका हमेशा अति महत्वपूर्ण रही है। देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी भी है कि उसकी राष्ट्र के प्रति गहरी निष्ठा, समर्पण हो, पर इसका कतई आशय नहीं है की सत्ता लोलुप राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रवाद को धर्म संप्रदाय से जोड़कर सत्ता हथियाने का अवसर या अस्त्र बनाने का प्रयास करें, निसंदेह इस बात से राष्ट्रीय भावना विखंडित, आहत होती है। ऐतिहासिक तौर पर लगातार सत्ता पर बने रहने के लालच से कोई भी राजा सम्राट अथवा बादशाह चिंता नहीं रहा है ह्र वर्तमान परिदृश्य में राजनीतिक पार्टी के नेता भी सत्ता लोलुपता से परे नहीं है, इस संदर्भ में कई बार राष्ट्रवाद को धर्म से जोड़कर भावनात्मक तरीके से इसे सत्ता प्राप्ति का अस्त्र तथा अवसर बनाकर उपयोग किया जाता रहा है। सत्ता सदैव परिवर्तनशील होती रहनी चाहिए, यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा को और मजबूत बनाती है ह्र लगातार सत्ता किसी भी सत्ताधीश को निरंकुश बनाकर अधिनायकवाद के बीज को रोपित करती है देश में अवसरवादी राजनीतिक दलों की उपस्थिति जातिवादी समीकरण के अतिवादी दृष्टिकोण, अब परिपक्व लोकतांत्रिक संस्थाओं का परिचालन एवं आमजन की सीमित तर्क बुद्धि एवं और दूरदर्शिता के कारण कई बार जनता के दूरगामी लाभ के स्थान पर तात्कालिक लाभ की प्रक्रिया से अवसरवादी अभिमत तथा तुष्टीकरण की नीति से जनता के लाभ के अवसर को दूर ले जाते हैं राजनीतिक पार्टियों की अवसरवादी तथा पद लोलुपता की अभिवृत्ति जनता को तुरंत लाभ देने की सर दूरदर्शन नीति लोकतंत्र को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जाती है एवं इससे राष्ट्रीय विकास की क्षमता में बहुत ज्यादा स्खलन होने की संभावना होती है ह्र जनता के हितों उनकी भावनाओं से खिलवाड़ कर शोषण करना अंततः राष्ट्रीय चरित्र तथा अनुशासन के स्थान पर आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा चरित्र को जन्म देती है अवतारवाद राजनीति का एक अंग हो सकता है किंतु सदैव आशीर्वाद तथा पद लोलुपता राजनीति को गर्त में ले जाने सदस्य है यह अलग मुद्दा है कि जन भावना बहुमत की भावना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं तात्कालिक हित किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक अंग हो सकते हैं लोकतंत्र में विशेष परिस्थितियों में जनता का समर्थन प्राप्त करना एवं उनके हितों की रक्षा के लिए नए उपायों की अवधारणा उचित हो सकते और आवश्यक भी, किंतु राजनीति में पद लोलुपता अवसरवादी ता एवं जातिवाद को विखंडित करने की नियत किसी भी दृष्टि से लोकतंत्र के हित में नहीं दिखाई देती हैं ह्र भारतीय परंपरा में भी शाम दाम दंड भेद सुशासन का प्रमुख उपकरण मान लिया गया है पर इसके दूरगामी परिणाम तुष्टीकरण के साथ-साथ अनुशासन की महत्ता को कमतर करने का कार्य करते हैं ह्र यह सुनिश्चित है कि बिना विकसित लोकतांत्रिक उपकरणों के लोकप्रियता को मापना एक दुष्कर कार्य हो जाता है कई बार कम संख्या परंतु मजबूत संगठन वाले समूह के हित के लिए अनुचित साधन बनकर रह जाते हैं, और यही कारक बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श के विपरीत चले जाते हैं लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों को अवसरवादी का पत्ता एवं दलबदल क्षति पहुंचाने के बहुत बड़े कारण हैं अवसरवाद तथा सत्ता की चाहत लोकतांत्रिक मूल्यों के दूरगामी दुष्परिणामों का बड़ा संकेत हो चुका है। भारतीय संविधान में भी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के छोटे-छोटे छिद्रों से राजनीतिक दल अवसर के जो ताने बाने बुनते हैं उससे राजनैतिक एवं ऐतिहासिक प्रति मानव को हमेशा नुकसान ही हुआ है।

ठाकरे ब्रदर्स का साथ आना पारिवारिक मामला, एमवीए में एंट्री पर कांग्रेस प्रभारी ने साफ किया स्टैंड, सबकुछ बताया

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों की सरमर्गी तेज होने के साथ कांग्रेस ने भी अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। महाराष्ट्र के दौरे पर पहुंचे प्रदेश प्रभारी रमेश चेन्निथला ने राज ठाकरे-उद्धव ठाकरे के संभावित गठबंधन पर भी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि दोनों ठाकरे भाईयों का मिलन पारिवारिक मामला है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बाद अब स्थानीय निकाय की बारी है। स्थानीय निकाय चुनावों में सभी की नजरें मुंबई पर लगी हैं कि क्या ठाकरे ब्रदर्स एक साथ आकर चुनाव लड़ेंगे। राज ठाकरे-उद्धव ठाकरे के संभावित गठबंधन को लेकर कांग्रेस ने पहली बार आधिकारिक तौर पर बड़े संकेत दिए हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी रमेश चेन्निथला ने साफ किया है कि उद्धव-राज साथ आएं तो कांग्रेस को आपत्ति नहीं है। पुणे में चेन्निथला के यह कहने के बाद चर्चा शुरू हो गई है कि आखिर महाराष्ट्र में कांग्रेस का गेम प्लान क्या है? क्योंकि महायुति और महाविकास आघाड़ी समेत सभी दल चुनावी तैयरियों में जुटे हैं। क्या है कांग्रेस का गेम प्लान? महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी रमेश चेन्नीथला ने कहा है कि अगर उद्धव और राज ठाकरे एक साथ हाथ मिलाते हैं तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। चेन्निथला ने कहा कि अभी दोनों ठाकरे भाइयों ने कोई राजनीतिक गठबंधन की घोषणा नहीं की है। ऐसे में इस पर अभी बयान देना सही नहीं है। जहां तक दोनों भाई साथ आते हैं तो यह उनका पारिवारिक मामला है। इससे कांग्रेस को कोई प्रॉब्लम नहीं है, लेकिन यदि दोनों ठाकरे भाई राजनीतिक गठबंधन करते हैं तो आघाडी में राज की एंट्री के बारे में फैसला हमारी पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी करेगी।

कैबिनेट की बैठक में नहीं दिखे एकनाथ शिंदे, फिर लगने लगीं नाराजगी अटकलें

महाराष्ट्र में लंबे समय से पालक मंत्रियों का विवाद चर्चा में है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रायगढ़ और नासिक जिलों में संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति नहीं की है। मंगलवार को कैबिनेट की मीटिंग से शिंदे और गोगावले के गैरहाजिर रहने को इसी विवाद से जोड़ कर देखा जा रहा है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में पिछले साल जब बीजेपी के अगुवाई वाली महायुति गठबंधन ने प्रचंड जीत हासिल की थी तब काफी दिनों तक सीएम को लेकर खींचतान और सस्पेंस की स्थिति बनी थी। तब यह कहा गया कि शिंदे सीएम बनना चाहते हैं खैर बाद में फडणवीस सीएम की कुर्सी पर लौटे थे। अभी महायुति सरकार ने दूसरे कार्यकाल का एक साल पूरा नहीं हुआ लेकिन उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की नाराजगी की अटकलें लगातार लग रही हैं। मंगलवार के कैबिनेट की बैठक में शिंदे के नहीं होने इस अटकलों ने और जोर पकड़ा। शिवसेना के नेताओं का कहना है कि उप मुख्यमंत्री जम्मू से नहीं लौट पाए थे। इसलिए वह कैबिनेट अटेंड नहीं कर पाए। जो भी हो लेकिन महायुति के दूसरे कार्यकाल में शिंदे खुश नहीं दिख रहे हैं। चर्चा यह भी है कि एकनाथ शिंदे ने नाराजगी के चलते ही कैबिनेट मीटिंग को स्किप कर दिया। शिंदे के साथ उनके पार्टी से मंत्री भरत गोगावले भी बैठक में मौजूद नहीं रहे।

क्या अलग पड़ रही शिवसेना?

ऐसी चर्चा है कि राज्य की महायुति सरकार में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना अलग-थलग पड़ती जा रही है। शिंदे की शिवसेना जहां मंत्रियों को लेकर विपक्ष के निशाने पर हैं तो वहीं महायुति में पालक मंत्री और फाइलों के साथ सीएमओ भेजने, फंड आवंटन जैसे मुद्दों के बाद अब 15 अगस्त पर ध्वजारोहण का मामला गरमाया हुआ है। पालक मंत्रियों के विवाद की वजह से अभी तक रायगढ़ व नाशिक के पालक मंत्री पद पर किसी की नियुक्ति नहीं की गई है लेकिन स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर रायगढ़ में ध्वजारोहण की जिम्मेदारी अजीत पवार गुट की कैबिनेट मंत्री अदिति तटकरे को दी गई है जबकि नासिक में बीजेपी के गिरीश महाजन ध्वजारोहण करेंगे। ऐसी चर्चा है कि रायगढ़ में शिंदे के करीबी भरत गोगावले 15 अगस्त पर ध्वजारोहण करना चाहते थे, लेकिन अदिति तटकरे को यह जिम्मेदारी मिलने से वह नाराज हैं।

सामंत के बयान के क्या हैं मायने?

राज्य में जब यह चर्चा हो रही है कि एकनाथ शिंदे और फडणवीस के बीच पहले वाली गर्मजोशी नहीं दिख रही है। तब शिवसेना नेता और उद्योग मंत्री उदय सामंत ने कहा है कि एकनाथ शिंदे को एक बार फिर महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनना चाहिए।

फास्ट ट्रैक

रेलवे दिनांक 15.08.2025 से राजापुर रोड स्टेशन पर ट्रेन संख्या 16345/16346 एलटीटी-तिरुवनंतपुरम-एलटीटी नेत्रवती एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव प्रदान करेगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

रेलवे ने दिनांक 15.08.2025 से राजापुर रोड स्टेशन पर प्रायोगिक आधार पर 16345/16346 एलटीटी-तिरुवनंतपुरम-एलटीटी नेत्रवती एक्सप्रेस का 2 मिनट का ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया है, जैसा कि नीचे दिए गए विवरण में बताया गया है:

16345 एलटीटी-तिरुवनंतपुरम नेत्रवती एक्सप्रेस राजापुर रोड स्टेशन पर 19.40 बजे पहुँचेगी और 19.42 बजे प्रस्थान करेगी। (मानसून समय)

16346 तिरुवनंतपुरम-एलटीटी नेत्रवती एक्सप्रेस राजापुर रोड स्टेशन पर 07.38 बजे पहुँचेगी और 07.40 बजे प्रस्थान करेगी। (मानसून समय)

गैर-मानसून समय बाद में सूचित किया जाएगा।

इन ट्रेनों के ठहराव और समय की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें। यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया इस सुविधा को नोट करें और इसका लाभ उठाएँ।

वेलनकन्नी त्यौहार -2025 के लिए मध्य रेल एलटीटी मुंबई और वेलनकन्नी के बीच 4 विशेष ट्रेन सेवाएँ चलाएगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल ने वेलनकन्नी त्यौहार -2025 में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए एलटीटी मुंबई और वेलनकन्नी के बीच 4 विशेष रेलगाड़ियाँ चलाने का निर्णय लिया है। विवरण इस प्रकार है:

01161/01162-एलटीटी मुंबई-वेलनकन्नी विशेष (2 सेवा)

01161 विशेष मंगलवार, दिनांक 26.08.2025 को एलटीटी मुंबई से 13.00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन (गुरुवार) को 03.00 बजे वेलनकन्नी पहुँचेगी।

01162 विशेष गुरुवार, दिनांक 28.08.2025 को वेलनकन्नी से 06.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन (शुक्रवार) 16.20 बजे एलटीटी मुंबई पहुँचेगी।

01163/01164-एलटीटी मुंबई-वेलांकनी विशेष (2सेवा)

01163 विशेष रविवार, दिनांक 07.09.2025 को दोपहर 13.00 बजे एलटीटी मुंबई से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन (मंगलवार) सुबह 3.00 बजे वेलांकनी पहुँचेगी।

01164 विशेष मंगलवार, दिनांक 09.09.2025 को सुबह 6.00 बजे वेलांकनी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन (बुधवार) दोपहर 16.20 बजे एलटीटी मुंबई पहुँचेगी।

सभी ट्रेनों की संरचनाः दो वातानुकूलित -2 टियर, छह वातानुकूलित -3 टियर, 12 शयनयान श्रेणी, 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सेकंड सीटिंग कम गार्ड ब्रेक वैन।

सभी ट्रेनों के लिए ठहरावः ठाणे, कल्याण, लोनावला, पुणे, दौंड, सोलापुर, कलबुरगि, वाडी, यादगीर, कृष्णा, रायचूर, मंत्रालयम रोड, अडोनी, गुंतकल, गूटी, ताड़ीपत्री, येरागुंटला, कडपा, राजमपेट, रेनिगुंटा, काटपाडी, तिरुवन्नामलाई, विल्लुपुरम, मयिलादुतुरई और नागप्पट्टिनम।

आरक्षणः विशेष ट्रेन संख्या 01161 और 01163 के लिए बुकिंग सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर 16.08.2025 से शुरू होगी।

इन विशेष ट्रेन के विस्तृत समय एवं ठहराव की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया Indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे इन विशेष ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाएँ।

ईडी ने बड़ी कार्रवाई, पूर्व नगर आयुक्त अनिल कुमार पवार गिरफ्तार

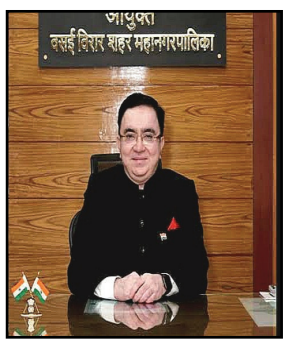

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। वसई-विरार के पूर्व नगर आयुक्त अनिल कुमार पवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। अनिल पवार समेत नगर नियोजन विभाग के बर्खास्त उपायुक्त रेड्डी, समेत 4लोगों को ईडी ने हिरासत में लिया है। पवार को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। 30 जुलाई, 2025 को ईडी ने वसई-विरार के पूर्व नगर आयुक्त अनिल कुमार पवार के घर पर छापा मारा था। उन्हें मुंबई महानगर क्षेत्र के 'एसआरएस' का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया था। उनके विदाई समारोह के बाद ईडी ने कार्रवाई शुरू की। ईडी ने वसई-विरार इलाके में आरक्षित 60 एकड़ के भूखंड पर निर्मित 41 अनधिकृत इमारतों के भ्रष्टाचार मामले में वसई विरार के पूर्व नगर आयुक्त अनिल कुमार पवार से पूछताछ की। अनिल कुमार पवार और उनके परिवार से 22 घंटे तक पूछताछ की गई। उनकी पत्नी और बेटी को बुलाकर पूछताछ की गई। इसके बाद अनिल कुमार पवार की पत्नी से 10 घंटे तक पूछताछ की गई और उनका बयान दर्ज किया गया। ईडी के वर्ली सी.जे. हाउस स्थित कार्यालय में सुबह 10:30 बजे पूछताछ के लिए आए थे। वह रात 10:45 बजे अपनी पत्नी के साथ दफ्तर से निकले थे। ईडी ने अनिल कुमार पवार पर अनधिकृत निर्माण मामले में अहम भूमिका निभाने का आरोप लगाया है। ईडी की शुरूआती जांच में पता चला है कि अनिल कुमार ने 20 से 25 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से रिश्वत ली थी ईडी के अधिकारियों ने 29 जुलाई को अनिल कुमार पवार के आवास समेत 12 जगहों पर छापेमारी की थी। उस वक्त नासिक में उनके भतीजे के घर से 1 करोड़ 33 लाख रुपये की नकदी मिली थी। पूर्व कमिश्नर अनिल कुमार पवार शिक्षा मंत्री दादा भुसे के भतीजे और दामाद हैं। वह मूल रूप से सतना के रहने वाले हैं। इस बीच, इस कार्रवाई के बाद संजय राउत ने दादा भुसे पर सीधा निशाना साधा है। राउत ने एकनाथ शिंदे के समय अनिल कुमार पवार की अवैध रूप से नियुक्ति होने का आरोप लगाया था।

बीएमसी चुनाव में कूदेगी अखिलेश यादव की सपा, बढ़ी एमवीए की टेंशन, एनसीपी-शरद गुट बोला- हमारे साथ आएं

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद अखिलेश यादव की अगुवाई वाली समाजवादी पार्टी अब बीएमसी चुनाव में उतरने जा रही है। समाजवादी पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष अबू आजमी ने मुंबई महानगर पालिका चुनाव में सपा के अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया। इस बयान ने महाराष्ट्र की सियासत को गरमा दिया है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई/नागपुरः महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद अखिलेश यादव की अगुवाई वाली समाजवादी पार्टी अब बीएमसी चुनाव में उतरने जा रही है। समाजवादी पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष अबू आजमी ने मुंबई महानगर पालिका चुनाव में सपा के अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया। अबू आजमी के बयान ने महाराष्ट्र की सियासत को गरमा दिया है। एनसीपी-शरद गुट के नेताओं का कहना है कि यह घोषणा सिर्फ कार्यकताओं में जोश भरने के लिए है। बीएमसी चुनावों को लेकर चर्चा होगी, तब निर्णय लिया जाएगा।

एमवीए के साथ चुनाव लड़ने का दिया ऑफर

एनसीपी-शरद पवार गुट की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के दल जब एक साथ बैठेंगे, तभी इस विषय पर बात होगी। हालांकि एनसीपी-शरद गुट ने समाजवादी पार्टी को महा विकास अघाड़ी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का ऑफर भी दिया है। शशिकांत शिंदे ने कहा कि अगर वह (सपा) महाराष्ट्र विकास अघाड़ी की तरफ से लड़ते हैं तो उनका स्वागत है।

क्या बोले रोहित पवार?

अबू आजमी की घोषणा पर एनसीपी-शरद गुट के नेता रोहित पवार ने कहा कि सब जगह सब नेता यही बोलेंगे कि हम अकेले लड़ेंगे, लेकिन चुनाव को लेकर बाद में चर्चा की जाएगी और फिर फैसला होगा। पवार ने कहा कि चुनाव नजदीक आने पर क्या तय होगा, यह महत्वपूर्ण है। फिलहाल, नेताओं के बयान सिर्फ कार्यकताओं में जोश भरने वाले हैं।

सपा अकेले 150 सीटों पर बीएमसी चुनाव लड़ेगी

दरअसल समाजवादी पार्टी 'इंडिया' ब्लॉक का हिस्सा है। इसमें कांग्रेस, शिवसेना-यूबीटी और शरद पवार भी शामिल हैं। इसके बावजूद सपा ने बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान किया। समाजवादी पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष अबू आजमी ने घोषणा की कि सपा अकेले 150 सीटों पर मुंबई महानगर पालिका का चुनाव लड़ेगी।

बीएमसी चुनाव कांग्रेस के साथ बिल्कुल भी नहीं लड़ेगी सपा

दिल्ली स्थित महाराष्ट्र सदन में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अबू आजमी ने दो टूक शब्दों में कहा कि सपा बीएमसी चुनाव कांग्रेस के साथ मिलकर बिल्कुल भी नहीं लड़ेगी। इससे पहले 2024 महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव भी समाजवादी पार्टी ने अकेले लड़ा था

खेल विभाग ने 99 गोविंदा टोलियों के 6652 गोविंदाओं को ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के माध्यम से बीमा कवरेज प्रदान किया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

वसई विरार शहर महानगर पालिका के खेल विभाग ने 99 गोविंदा टोलियों के 6652 गोविंदाओं को ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के माध्यम से बीमा कवरेज प्रदान किया है।वसई विरार शहर मनपा ने गोविंदाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए आगामी 16 अगस्त को होने वाले दही हांडी (गोपालकला) उत्सव के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह बीमा आवेदन जमा करने की तारीख से 17 अगस्त 2025 की सुबह 6:00 बजे तक प्रभावी रहेगा।यह पहल न केवल गोविंदाओं को सुरक्षित रखने में मदद करेगी, बल्कि दही हांडी उत्सव के उत्साह को भी दोगुना करेगी। हर साल की तरह इस बार भी वसई विरार शहर मनपा ने गोविंदाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी है, ताकि उत्सव के दौरान किसी भी अनहोनी से बचा जा सके। साथ ही, आयोजकों से अनुरोध किया गया है कि वे उत्सव स्थल पर सभी आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करें, ताकि गोविंदाओं को चोट से बचाया जा सके। आयोजकों और स्थानीय नागरिकों ने इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे एक सुरक्षित और उत्साहपूर्ण उत्सव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

महाराष्ट्र में आईएएस अफसरों के तबादले, मुंबई, चंद्रपुर, गढ़चिरौली और भंडारा जिलों के लिए बड़ा अपडेट

महाराष्ट्र में आईएएस अधिकारियों के तबादलों का दौर जारी है। सरकार ने अब सात आईएएस अधिकारियों के तबादलों के आदेश जारी किए हैं। डॉ अशोक करंजकर को शेष महाराष्ट्र वैधानिक विकास बोर्ड का सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है। सुशील खोडवेकर को तुकाराम मुंढे के स्थान पर असंगठित श्रम विकास आयुक्त नियुक्त किया गया है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में आईएएस अधिकारियों के तबादलों का दौर जारी है। सरकार ने अब सात आईएएस अधिकारियों के तबादलों के आदेश जारी किए हैं। डॉ अशोक करंजकर को शेष महाराष्ट्र वैधानिक विकास बोर्ड का सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है। सुशील खोडवेकर को तुकाराम मुंढे के स्थान पर असंगठित श्रम विकास आयुक्त नियुक्त किया गया है। संजय कोल्टे अब मुंबई स्थित शिवशाही पुनर्वास परियोजना के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य करेंगे। राज्य में प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इसके कारण प्रशासन में भी कुछ बदलाव हुए हैं।

ट्रांसफर अधिकारी और पद

1- डॉ अशोक करंजकर

डॉ अशोक करंजकर को अब मुंबई स्थित शेष महाराष्ट्र वैधानिक विकास बोर्ड का सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है।

गाड़ी से उतरे और पैदल ही विधानसभा चल दिए... लखनऊ की ट्रैफिक व्यवस्था पर भड़के मांट इखढ टछअ राजेश चौधरी

कौन हैं कअर संदीप भागिया? जिनके खिलाफ महिला अफसरों ने सीधे पीएम मोदी और सीएम योगी को लिख दी चिट्ठी

'बकवास न करो..' पाकिस्तान ढट की धमकी पर ओवैसी ने शहबाज को रगड़ दिया

लालू परिवार और फखऊ से बेदखल तेज प्रताप का नया दांव, जय प्रकाश यादव को घोसी विधानसभा से उम्मीदवार बनाया

2- डॉ संजय कोल्टे

डॉ संजय कोल्टे भंडारा जिले के जिला कलेक्टर थे। उनका तबादला हो गया है और अब वे मुंबई स्थित शिवशाही पुनर्वास परियोजना के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य करेंगे।

3- सुशील खोडवेकर

सुशील खोडवेकर मुंबई में शेष महाराष्ट्र विकास बोर्ड के सदस्य सचिव थे। अब उन्हें मुंबई में असंगठित श्रम विकास आयुक्त के पद पर तैनात किया गया है।

4- सावन कुमार

सावन कुमार नंदुरबार जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थे। उनका तबादला कर दिया गया है और अब वह भंडारा जिले के जिला कलेक्टर के रूप में काम करेंगे।

5- नमन गोयल

नमन गोयल , भामरागड, गढ़चिरौली जिले के परियोजना अधिकारी और अट्टापल्ली उपखंड के सहायक जिला कलेक्टर थे। उन्हें अब नंदुरबार जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है।

6- जी.वी.एस. पवन दत्त

डॉ जी.वी.एस. पवन दत्त गढ़चिरौली जिले के देसाईगंज उपखंड के सहायक जिला कलेक्टर थे। उन्हें नासिक जिले के इगतपुरी उपखंड के सहायक जिला कलेक्टर के रूप में तैनात किया गया है।

7- लघिमा तिवारी

लघिमा तिवारी चंद्रपुर जिले के बल्लारपुर उप-मंडल की सहायक जिला कलेक्टर थीं। अब उनका तबादला चंद्रपुर जिले के गोंडपिपरी उप-मंडल के सहायक जिला कलेक्टर के पद पर किया गया है।

पिछले सप्ताह भी बदले से पांच आईएएस

पिछले सप्ताह पांच आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया। इनमें तुकाराम मुंडे, आशा अफजल खान पठान, अभय महाजन, ओमकार पवार और नितिन पाटिल शामिल थे।

भुसावल मंडल में हर घर तिरंगा अभियान 2025 के अंतर्गत तिरंगा साइकिल रैली का आयोजन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

भुसावल रेल मंडल की ओर से हर घर तिरंगा अभियान के तहत दिनांक 13 अगस्त 2025 को एक भव्य तिरंगा साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में भुसावल मंडल के शाखा अधिकारी, रेलवे कर्मचारी तथा मध्य रेलवे विद्यालय, भुसावल के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।यह साइकिल रैली सुबह मंडल कार्यालय भुसावल से प्रारंभ हुई, जो ऑर्डनेंस फैक्ट्री मार्ग से होते हुए पुनः मंडल कार्यालय पर संपन्न हुई। रैली के दौरान सभी प्रतिभागियों के हाथों में लहराता तिरंगा और भारत माता की जयघोष से पूरा क्षेत्र देशभक्ति के माहौल में गूंज उठा।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनमानस में देशभक्ति की भावना जागृत करना, युवाओं में राष्ट्राभिमान को प्रोत्साहित करना तथा हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से प्रत्येक भारतीय के मन में तिरंगे के प्रति गर्व और सम्मान को और सशक्त करना है।

अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने बीएमसी से मिलाया हाथ, मुंबई में गणेश पंडालों की बिजली सुरक्षा की टेंशन होगी दूर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः गणेश चतुर्थी के त्योहार को देखते हुए अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने मंगलवार को कहा कि वह पूरी मुंबई में गणेश मंडल स्वयंसेवकों के लिए आवश्यक विद्युत सुरक्षा प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) आपदा प्रबंधन विभाग के साथ मिलकर काम कर रही है।

मध्य रेल

शुद्धिपत्र

निविदा क्रमांक 27.25.1556 विभाग/रेलवे स्टोर/ मध्य रेलवे **समापन:** 21.08.2025 **निविदा शीर्षक:** CLW DRG. No. 1OS808.414,415 के अनुसार रेसिस्टर एलिमेंट ट्रे असेंबली का सेट **संशोधन 1) एनआईटी हेडर क्रमांक 1. मौजूदा विवरण:** CLW DRG.No. 1OS808.414,415 के अनुसार रेसिस्टर एलिमेंट ट्रे असेंबली का सेट **संशोधित विवरण:** सीएलडब्ल्यू/डीआरजी. सं.1ओएस808.414,415 के अनुसार सिंगल सेक्शन फील्ड कॉइल असेंबली का सेट

365 **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

सोलापुर मण्डल

विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा क्रं.:— सोला/वि/नि/2025/03. कार्य का नाम:—** 8 रेलवे स्टेशनों (i.e. PPJ, BRB, MLM, BGVN, JNTR, PRWD, WSB, JH) 202 रेलवे कार्टरों और 26 सर्विस बिल्डिंग के साथ—साथ 2 एलसी गेटों [LC 19 (DD-BRB), LC 21 (MLM-BGVN)] के विद्युत रखरखाव कार्यों की आउटसोर्सिंग 2 वर्ष (24 महीने) की अवधि के लिए। **कार्य की लागत:—** रू. 1,38,15,723.69/— **बोली प्रतिभूति:—** रू 2,19,100.00/— **कार्य पूरा करने की अवधि:—** 24 माह **निविदा प्रस्ताव की वैधता:—** 90 दिन **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समय:—** दि. 04/09/2025 को 15.00 बजे। बोली प्रतिभूति राशि की रकम का भुगतान ई—पेमेंट द्वारा वेबसाइट **wwww.ireps.gov.in** पर करना है।

ANJ-57

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

क्र. एसीई/67/एसआर/ईएक्सपी, दि. 12.08.2025

ई-निविदा सूचना

विषय : ई वार्ड में विभिन्न मनपा दवाखानों हेतु अधिकतम दिनों की अवधि हेतु अथवा मनपा स्टाफ की उपलब्धता तक, जो भी पहले हो, के लिये विशुद्ध ठेका आधार पर सहायक आयुक्त ई वार्ड अंतर्गत 11 एनजीओ से एमपीएल की नियुक्ति.

टिप्पणी : एनजीओ आवश्यक रूप से सहायक आयुक्त ई वार्ड अंतर्गत कार्यरत होना चाहिए.

कार्यालय अनुमानित राशि	रु. 23,33,505.88
उद्धरण प्रपत्र शुल्क	रु. 3630+18% जीएसटी
ईएमडी राशि	रु. 47,000/-
उद्धरण क्र.	एसीई/03/2025-26/एसआर.एमओ
निर्धारित तिथि	14.08.2025 को सुबह 11.00 बजे से 20.08.2025 को दोप. 01.00 बजे तक
वेबसाइट	http://portal.mcgm.gov.in
संपर्क अधिकारी का नाम	डॉ. सीमा देशमुख, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ई-वार्ड मोबाइल नं. 9819112009
दूरभाष क्र.	022-23081471 (विस्ता. 167)

हस्ता./-
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
ई वार्ड

पीआरओ/1273/विज्ञा./2025-26

जलजन्य बीमारियों से बचाव के लिये पानी उबालकर और छानकर पियें.

उल्हासनगर मनपा आयुक्त और प्रशासन के विरोध में आमदार कुमार आयलानी को मिला महायुति का समर्थन

शहर की खस्ताहाल सड़कों के विरोध में 19 अगस्त को महायुति द्वारा मनपा का घेराव।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. उल्हासनगर की बदहाल गड्ढायुक्त सड़कों की समस्या को लेकर 19 अगस्त को मनपा प्रशासन और मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले के विरोध में स्थानीय आमदार कुमार आयलानी के घेराव आंदोलन को भाजपा के सहयोगी दलों महायुति ने भी समर्थन का ऐलान किया है। बुधवार को महायुती के घटक दलों भाजपा, शिवसेना, आरपीआई और अन्य सहयोगी दलों की एक बैठक आमदार कुमार आयलानी के जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित हुई। इस बैठक में आगामी 19 अगस्त को मनपा आयुक्त व प्रशासन के विरोध में किए जाने वाले आंदोलन की रूपरेखा तय की गई। इस बैठक में भाजपा आमदार कुमार आयलानी, उल्हासनगर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधारिया, शिवसेना शहर प्रमुख भुल्लर महाराज, आरपीआई जिलाध्यक्ष नाना बागुल सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और पूर्व नगरसेवक उपस्थित रहे। महायुति की इस बैठक का मुख्य एजेंडा शहर के विकास कार्यों में हो रही देरी, सड़कों पर गड्ढों की समस्या, पानी दरों में बढ़ोतरी का विरोध, समाज मंदिरों पर किराया लगाने, रेगुलराइजेशन को नजरअंदाज करने और नागरिकों को उनकी समस्याओं को सुनने में समय न देने जैसे मुद्दों पर महापालिका प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताना था और आगामी 19 तारीख के मनपा के घेराव की रणनीति बनाना था।

आमा संगठन अध्यक्ष उमेश तायडे के विवादास्पद बयान के विरोध में स्थानीय भूमिपुत्रों का प्रोटेस्ट मार्च

स्थानीय भूमिपुत्र हुए आक्रोशित, उमेश तायडे ने अपने बयान के लिए मांगी माफी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. आमा संगठन के अध्यक्ष उमेश तायडे ने अभी हाल ही में एक पत्रकार परिषद के माध्यम से आनंद नगर स्थित औद्योगिक संस्थानों की कार्यप्रणाली में स्थानीय भूमिपुत्रों के पड़ने वाले दबावों और उत्पीड़न को लेकर एक बयान दिया था जिसका स्थानीय भूमिपुत्रों ने जोरदार जवाब देते हुए स्थानीय आमदार डॉ.बालाजी किणीकर की उपस्थिति में बुधवार 13 अगस्त को आमा कार्यालय पर अध्यक्ष उमेश तायडे के विरोध में नारेबाजी करते हुए प्रोटेस्ट मार्च निकाला।

आमा के अध्यक्ष उमेश तायड़े ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि स्थानीय भूमिपुत्रों के दबाव और उत्पीड़न से अंबरनाथ एमआईडीसी में 1400 उद्योग दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हो रहे है। इस बयान के विरोध में स्थानीय भूमिपुत्र काफी आक्रामक हो गए हैं और बुधवार 13 अगस्त को नरेश गायकर के नेतृत्व में स्थानीय भूमिपुत्रों ने आमा संगठन कार्यालय पर प्रोटेस्ट मार्च निकाला। उन्होंने कहा कि उमेश तायड़े के आरोपों से समाज और मीडिया में हमारी प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा है। तायडे द्वारा मीडिया में गलत जानकारी फैलाई गई है। स्थानीय भूमिपुत्र एच.बी.पी. विश्वनाथ महाराज वारिंगे ने बताया कि अगर स्थानीय लोग बढ़ी हुई दरों की माँग करते हैं, तो उन्हें सीधे तौर पर अस्वीकार नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि उनसे इस बारे में बात की जानी चाहिए। वारिंगे ने आगे कहा कि उन्हें एकतरफा आरोप लगाकर स्थानीय लोगों की गरिमा को ठेस पहुँचाने वाला बयान नहीं देना चाहिए आमा संगठन को भूमिपुत्रों और भू-मालिकों से शिकायत है तो उसकी शिकायत पुलिस से की जानी चाहिए न कि गलत बयानी। स्थानीय आमदार डॉ.बालाजी किणीकर ने भूमिपुत्रों की बात रखते हुए कहा कि किसी भी वस्तु या सेवा की खरीद में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और जमीन मालिकों को उनके अधिकार दिए जाने चाहिए। इस पूरे प्रकरण के बाद आमा संगठन के अध्यक्ष उमेश तायडे ने स्थानीय लोगों से सार्वजनिक रूप से माफी माँगी और कहा कि भविष्य में इस तरह के बयान नहीं दिए जाएँगे, और यह बयान भी उन्होंने कुछ मौखिक शिकायतों के बाद दिया था। तायडे ने बताया कि अब से स्थानीय लोगों के साथ बातचीत करके मुद्दों को सुलझाने को प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त प्रदर्शन में स्थानीय आमदार डॉ.बालाजी किणीकर, एच.बी.पी. विश्वनाथ महाराज,पूर्व नगरसेवक सचिन सदाशिव पाटिल,किशोर सौरखादे आदि लोगों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय भूमिपुत्र शामिल हुए।

फास्ट ट्रैक

15 अगस्त को पुनर्निर्मित राम गणेश गडकरी रंगायतन का भव्य उद्घाटन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , शहर के सांस्कृतिक केंद्र, राम गणेश गडकरी रंगायतन रंगमंच के पुनर्निर्मित ढांचे का भव्य उद्घाटन स्वतंत्रता दिवस, शुक्रवार, 15 अगस्त को सुबह 11 बजे राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मुख्य आतिथ्य और वरिष्ठ रंगकर्मी सुहास जोशी की उपस्थिति में किया जाएगा। इस अविस्मरणीय समारोह में वन मंत्री गणेश नाईक, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे, सांसद नरेश म्हस्के, विधायक डॉ. जितेंद्र आव्हाड, विधायक संजय केलकर, विधायक राजेश मोरे, विधायक एडवोकेट निरंजन डावखरे उपस्थित रहेंगे। साथ ही, इस अवसर पर युवा कलाकारों द्वारा लोक संगीत पर आधारित कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। वर्तमान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री रहते हुए राम गणेश गडकरी रंगायतन के जीर्णोद्धार के लिए राज्य सरकार की ओर से 31 करोड़ रुपये प्रदान किए थे। इस निधि से मनपा आयुक्त सौरभ राव के मार्गदर्शन में, रंगायतन के पुराने ढांचे को सुदृढ़ किया गया है और सभी प्रणालियों का जीर्णोद्धार किया गया है। 1978 में निर्मित रंगायतन की पहली बार 1998 में व्यापक मरम्मत की गई थी। उसके 26 वर्षों के बाद इसका जीर्णोद्धार किया गया है। जीर्णोद्धार कार्य अक्टूबर 2024 में शुरू किया गया था। अब गडकरी रंगायतन का संपूर्ण स्वरूप बदल दिया गया है। इस निधि से भवन की पूरी संरचनात्मक मरम्मत, भवन पर नया शेड, थिएटर में पूरी तरह से नया फर्श, मंच का नवीनीकरण, नई कुर्सियाँ, नई छत, नए ध्वनिक पैनल, पूरी पेंटिंग, नई अग्निशामक प्रणाली, नए दरवाजे और खिड़कियाँ, नया कालीन और फर्नीचर, आगे और पीछे के हिस्से का सौंदर्यीकरण, नया सुरक्षा केबिन, पूरी वायरिंग और विद्युतीकरण, नए ट्रांसफार्मर और जनरेटर की स्थापना, वरिष्ठ नागरिकों के लिए लिफ्ट की स्थापना, मंच पर लाइट और साउंड सिस्टम, नई एयर कंडीशनिंग प्रणाली आदि कार्य किए गए हैं।

मृत्यु के बाद भी जीवन दें, छात्रों ने अंगदान जागरूकता रैली में दिया संदेश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , आनंद विश्व गुरुकुल नर्सिंग कॉलेज के छात्रों ने ठाणे के लोगों को ₹मृत्यु के बाद भी जीवन दें₹ का प्रभावी संदेश देने के लिए एक भव्य रैली और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। यह पहल समाज में अंगदान के प्रति सकारात्मक सोच और जागरूकता पैदा करने के लिए शुरू की गई। कार्यक्रम में सोसाइटी के सचिव और महाराष्ट्र राज्य साहित्य एवं संस्कृति परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. प्रो. प्रदीप धवल, कोषाध्यक्ष अक्षर पारसनीस, ब्र. नाथ पै कॉलेज के प्राचार्य अनिल बोरानारे, ट्रस्टी जेष्ठ कॉलेज की प्राचार्य डॉ. हर्षला लिखिते, कॉलेज की प्राचार्य संपदा कुलकर्णी, प्राथमिक विभाग की प्रधानाध्यापिका डॉ. वैदही कोलमकर, शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी तथा सभी शाखाओं के प्राचार्य उपस्थित थे। मीनाताई ठाकरे नर्सिंग कॉलेज के छात्र, सांध्यकालीन कॉलेजों के एनएसएस स्वयंसेवक, ए.वी.जी. जूनियर कॉलेज के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के साथ प्रस्तुत लघु नाटक ने अंगदान के महत्व, जीवन बचाने की इसकी क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बारे में प्रभावी संदेश दिया रैली के दौरान, छात्रों ने ₹अंगदान - एक अमूल्य उपहार₹, ₹आपका एक कदम, दूसरे का जीवन₹ जैसे नारों के साथ शहर की सड़कों पर धूम मचा दी। बाजार और आवासीय क्षेत्रों में कई नागरिकों ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कुछ लोगों ने अंगदान के लिए पंजीकरण कराने की इच्छा भी व्यक्त की। ठाणे के नागरिकों ने इस पहल और छात्रों के प्रयासों की सराहना की। नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या श्रीमती मयूरी पेंडसे ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद किया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री गन किम योंग ने नवी मुंबई में कैपिटलैंड डेटा सेंटर का किया उद्घाटन

महाराष्ट्र में 19,200 करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग प्रशस्त 60,000 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , मेडिसिटी एक महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य परियोजना है और इसका मुख्य उद्देश्य नागपुर को देश का एक प्रमुख चिकित्सा केंद्र बनाना है, जहाँ अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराकर न केवल विदर्भ, बल्कि पूरे महाराष्ट्र और पड़ोसी राज्यों के मरीजों को सर्वोत्तम उपचार मिल सके। इस मेडिसिटी में विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, अनुसंधान केंद्र, चिकित्सा शिक्षा संस्थान और अन्य स्वास्थ्य सुविधाएँ शामिल होंगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को नवी मुंबई के ऐरोली में कहा कि मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड और टेमासेक को इस मेडिसीटी के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। नवी मुंबई में कैपिटलैंड डेटा सेंटर का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री गन किम योंग की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर सिंगापुर के परिवहन मंत्री जेफरी सियो, कैपिटलैंड इंडिया ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोहर खेतानी, कैपिटलैंड इंडिया के सीईओ संजीव दासगुप्ता, मुख्यमंत्री के मुख्य निवेश सलाहकार कौस्तुभ धावसे, उद्योग विभाग के सचिव डॉ. पी. अंबाल्गन, कोंकण संभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी, ठाणे के जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल, नागपुर के जिलाधिकारी डॉ. विपिन इटनकर, नवी मुंबई मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने आगे कहा कि महाराष्ट्र सरकार और मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड और टेमासेक के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते के तहत, नागपुर में 350 बिस्तरों वाला एक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए 700 करोड़ रुपये तक का निवेश प्रस्तावित है। यह परियोजना लगभग 3,000 रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगी। इस पृष्ठभूमि में, मुख्यमंत्री ने संबंधित कंपनी से नागपुर में एक मेडिसिटी स्थापित करने का आग्रह किया है। नागपुर में मेडिसिटी एक महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य परियोजना है और इसका मुख्य उद्देश्य नागपुर को देश का एक प्रमुख चिकित्सा केंद्र बनाना है। नागपुर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करके, न केवल विदर्भ, बल्कि पूरे महाराष्ट्र और पड़ोसी राज्यों के रोगियों को सर्वोत्तम उपचार मिल सके। इस मेडिसिटी में विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, अनुसंधान केंद्र, चिकित्सा शिक्षा संस्थान और अन्य स्वास्थ्य सुविधाएँ शामिल होंगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि कैपिटलैंड के अत्याधुनिक डेटा सेंटर का उद्घाटन संपन्न हुआ है। यह डेटा सेंटर तकनीकी दृष्टि से उन्नत है। इसमें विभिन्न प्रकार से बहुत अच्छी व्यवस्थाएं हैं। हम जिस डिजिटल अर्थव्यवस्था में हैं, उसमें हमें हर चीज की दक्षता बढ़ाने के लिए डेटा सेंटर की आवश्यकता है और इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि यह क्षमता देश में भी निर्मित हो। उन्होंने कहा कि देश की 60 प्रतिशत डेटा सेंटर क्षमता अकेले महाराष्ट्र में निर्मित की गई है। आज महाराष्ट्र सरकार और कैपिटलैंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते के तहत लगभग 19 हजार 200 करोड़ रुपये का प्रस्तावित निवेश किया जाएगा और इस निवेश को कैपिटलैंड इन्वेस्टमेंट और उसकी सहयोगी कंपनियां महाराष्ट्र में बढ़ावा देंगी। साथ ही, यह समझौता लगभग 60 हजार प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। इस समझौते के तहत मुंबई और पुणे में बिजनेस पार्क, मुंबई और पुणे में डेटा सेंटर, पूरे महाराष्ट्र में लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक पार्क परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी। इसके अलावा, मेपल ट्री के साथ 3,000 करोड़ रुपये का एक समझौता हुआ है, जिसके माध्यम से वे कुछ लॉजिस्टिक्स पार्क बनाएंगे। इस अवसर पर, सिंगापुर के उप प्रधान मंत्री गुन किम योंग ने कहा कि मुझे आज नवी मुंबई में कैपिटलैंड डेटा सेंटर के सफल निर्माण पर बधाई देने के लिए यहां आकर बहुत खुशी हो रही है। नवी मुंबई भारत में एक महत्वपूर्ण डिजिटल केंद्र बन रहा है और यह केंद्र, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों के साथ, भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत कर रहा है। भारत में वर्तमान में 800 मिलियन से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता और एक मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम है। इसलिए, भविष्य में डेटा सेंटरों की मांग तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। भारत में डेटा सेंटरों की क्षमता वर्तमान 1.2 गीगावाट से बढ़कर 2030 तक 4.5 गीगावाट होने की संभावना है। यह डेटा सेंटर भारत में कैपिटलैंड के निवेश का हिस्सा है और हमें खुशी है कि, कैपिटलैंड ने महाराष्ट्र सरकार के साथ बिजनेस पार्क, लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक पार्क जैसी विभिन्न परियोजनाओं में निवेश के लिए समझौता। इसके तहत, कैपिटलैंड अगले पाँच वर्षों में महाराष्ट्र में 2 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 16,600 करोड़ रुपये) से अधिक का निवेश करेगा।

कजरी महोत्सव में दिखी उत्तर भारतीय लोक संस्कृति की झलकियाँ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , अभियान सामाजिक सांस्कृतिक संस्थान और ठाणे कजरी परिवार द्वारा आयोजित कजरी महोत्सव में उत्तर भारतीय लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली। नागरिक प्राचीन कजरी गीतों में मग्न रहे।डॉ. काशीनाथ घाणेकर रंगमंच पर कजरी महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष एड संदीप लेले, विधायक एड निरंजन डावखरे, शिवसेना प्रवक्ता गुलाब दुबे, पूर्व जिला अध्यक्ष संजय वाघुले, पूर्व नगरसेविका आशादेवी शेरबहादुर सिंह, पूर्व नगरसेवक राजकुमार यादव, मंडल अध्यक्ष राकेश चौगुले, जितेंद्र मढ़वी और अन्य गणमान्य उपस्थित थे। इस महोत्सव में समाजसेवी संजीवनी भागवत, अर्पण फाउंडेशन की अध्यक्ष भावना डुंबरे, शिक्षक असीम शुक्ला, सपना पांडे को स्त्री शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुंबई बीजेपी के उपाध्यक्ष और पूर्व राज्य मंत्री स्तर अमरजीत मिश्रा ने कार्यक्रम की योजना बनाई. संतोष दीनदयाल जयसवाल, श्रीमती सिरजा संतोष जयसवाल, एड प्रकाश शुक्ला, श्रीमती पूनम शुक्ला, राजू सिंह, अरविन्द गिरी, श्रीमती कार्यक्रम को सफल बनाने में रागिनी बी शाह, अखिलेंद्र मिश्रा, जगदंबा मिश्रा, धीरज माली, राज सुधाकर मिश्रा, नागेंद्र मिश्रा (बबलू), जयसिंह ठाकुर, दिनेश शमशेर सिंह, मनीषा सुरजीत सिंह, सोनम शर्मा (शिगवान), राधा शर्मा, संतोष सिंह, प्रदीप यादव, गजानंद यादव, अमित जयसवाल, अजय कनौजिया ने प्रयास किया। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश शुक्ला एवं मनीषा सिंह ने किया।

अंगदान-जीवन संजीवनी अभियान के अंतर्गत ठाणे जिले में 4900 लोगों का पंजीकरण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , राज्य सरकार द्वारा 3 अगस्त से 15 अगस्त, 2025 तक चलाए गए अंगदान-जीवन संजीवनी अभियान₹ को ठाणे जिले में उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है और अब तक 4,900 नागरिकों ने अंगदान करने का संकल्प लिया है। जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्णनाथ पांचाल और जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के मार्गदर्शन में, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार और जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे की देखरेख में सभी ग्रामीण अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और स्वास्थ्य उप-केंद्रों के माध्यम से जन जागरूकता फैलाई गई। अंगदान के महत्व को समझाते हुए डॉ. गंगाधर पारगे ने कहा कि अंगदान मानवता का सर्वोच्च उपहार है। मृत्यु के बाद भी, हम अपने अंगों के माध्यम से दूसरों को नया जीवन दे सकते हैं। एक अंगदाता 8 रोगियों की जान बचा सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने अंगदान के लिए नागरिकों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बना दिया है, और वे क्यूआर कोड स्कैन करके या आधार नंबर या आभा से जुड़े मोबाइल से notto.abdm.gov.in वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं। प्रतिज्ञा पूरी करने के बाद, प्रमाण पत्र भी डाउनलोड किया जा सकता है। ठाणे स्वास्थ्य विभाग की ओर से नागरिकों से अपील है कि, अंगदान करें, जीवन दें - मृत्यु के बाद भी जीवित रहें। आपका यह छोटा सा निर्णय दूसरों के लिए जीवन का अमूल्य खजाना बन सकता है।

संकल्प प्रतिष्ठान की 20 साल पुरानी परंपरा और गौरव की दहीहंडी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , संकल्प प्रतिष्ठान द्वारा आज दहीहंडी उत्सव कला, खेल, संस्कृति और स्वास्थ्य के साथ-साथ परंपराओं का भी संरक्षण करता है। हर साल संकल्प प्रतिष्ठान में हिंदू परंपराओं के संरक्षण और सभी जातियों व धर्मों को एक साथ लाकर विविधता का दर्शन मिलता है। इस वर्ष भी, संकल्प दहीहंडी उत्सव 16 अगस्त 2025 को संकल्प चौक, रघुनाथ नगर, ठाणे में आयोजित किया गया है। शिवसेना के उपनेता एवं पूर्व विधायक रवींद्र सदानंद फाटक ने यह जानकारी दी है। इस वर्ष संकल्प प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित ₹संकल्प दहीहंडी महोत्सव 2025 का 20 वाँ वर्ष है और विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाली गोविंदा टीम को 21 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। संकल्प प्रतिष्ठान ठाणे द्वारा

आयोजित दहीहंडी महोत्सव में पहुँचने और 9 थर लगाकर सलामी देने वाले ठाणे और मुंबई उपनगरीय क्षेत्र (एमएमआरडीए) की पहले गोविंदा पथक को 11 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा, और 9 थर लगाने वाले को भी लाखों रुपये के पुरस्कार दिए जाएँगे। इसके साथ ही, गोविंदाओं के लिए सुरक्षा किट और जैकेट, सुरक्षा रस्सियाँ, हेलमेट और भोजन सहित विशेष व्यवस्था की गई है, जो सुरक्षा और चिकित्सा के लिए उपयोगी हैं। दहीहंडी महाराष्ट्र की संस्कृति में एक महत्वपूर्ण परंपरा है। महायुति सरकार ने अब इस परंपरा को एक साहसिक खेल का दर्जा दिया है और राज्य के लगभग 1.5 लाख गोविंदाओं को बीमा कवर प्रदान करने का निर्णय लिया है। महायुति सरकार को इस दूरदर्शी निर्णय के लिए हार्दिक बधाई। इस वर्ष संकल्प प्रतिष्ठान के दहीहंडी महोत्सव में देश की राजधानी दिल्ली से कलाकार विशेष कलाकृतियाँ प्रस्तुत करने आएँगे, तथा संकल्प के मंच पर इस बार विविध कलाकृतियाँ प्रस्तुत की जाएँगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, शिवसेना के प्रमुख नेता एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, महायुति के नेता, मंत्री, विधायक, सांसद, विभिन्न गणमान्य व्यक्ति तथा मराठी हिंदी फिल्म जगत के जाने-माने कलाकार उपस्थिति दर्ज कराएंगे। यह जानकारी विधायक रविंद्र फाटक ने दी है।इस दौरान पूर्व नगरसेवक दीपक वेतकर, समाजसेवी राजेंद्र फाटक, मराठी फिल्म अभिनेता दिगंबर नाईक, अमीर हडकर आदि उपस्थित थे।

नदी में उतराता मिला युवक का शव

दो दिन पहले घर से निकला फिर नहीं लौटा, नदी किनारे मिले कपड़े

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, थाना निगोही क्षेत्र में एक युवक की नदी में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान उनखुर्द गांव के 24 वर्षीय दिनेश के रूप में हुई है। दिनेश बिना कुछ बताए घर से निकला था। रात तक घर नहीं लौटने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। दोस्तों और रिश्तेदारों के यहां खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों ने पुलिस को भी सूचित किया। कुछ ग्रामीणों ने नदी में एक शव को उतराते देखा। उन्होंने ग्राम प्रधान को सूचना दी। प्रधान के माध्यम से पुलिस को खबर मिली। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला। मौके पर बुलाए गए परिजनों ने शव की पहचान दिनेश के रूप में की। नदी किनारे दिनेश के कपड़े भी मिले हैं। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि दिनेश नहाने के दौरान नदी में डूब गया। परिवार के अनुसार दिनेश पांच भाइयों में सबसे बड़ा था। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है।

तिरंगा पकड़कर बच्चों के साथ रोड पर चले डीएम

स्कूली बच्चों के साथ निकाली तिरंगा रैली, बोले– राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना जगाना है

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, हर घर तिरंगा अभियान की शुरूआत कंपोजिट विद्यालय हथौड़ा बुजुर्ग से हुई। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वे खुद भी बच्चों के साथ रैली में शामिल हुए। छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयकारों के साथ उत्साह से रैली में हिस्सा लिया। जिलाधिकारी ने बताया कि 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम चलेगा। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक तिरंगा रैलियां निकाली जाएंगी। डीएम ने कहा कि आजादी हमें वीरों के साहस और बलिदान से मिली है। जनपद के अमर शहीदों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में सभी के योगदान पर जोर दिया। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना जगाना है। डीएम ने लोगों से 15 अगस्त को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील की। उन्होंने कहा कि ये आयोजन युवा पीढ़ी को अपने इतिहास और संस्कृति से जोड़ने का माध्यम है। जिलाधिकारी ने सभी परिषदीय विद्यालयों और मान्यता प्राप्त विद्यालयों को हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत रैलियां आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

टेंडर प्रक्रिया में विवाद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, टेंडर प्रक्रिया को लेकर विवाद की स्थिति बन गई। खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) कार्यालय पहुंचे ठेकेदारों ने बीडीओ रवि कुमार सिंह से टेंडर की मांग की। बीडीओ द्वारा स्पष्ट जवाब न मिलने पर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई। बीडीओ ने टेंडर अगले दिन देने की बात कहकर टालमटोल की। ठेकेदारों ने लिखित आश्वासन की मांग की और बीडीओ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। स्थिति तब और बिगड़ गई जब मीडिया कर्मी मौके पर पहुंचे। बीडीओ ने पत्रकारों को फर्जी बताते हुए उनसे परिचय पत्र मांगे और सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाने की धमकी दी। इससे पहले भी बीडीओ रवि सिंह पर निविदा प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप लग चुके हैं। ठेकेदारों ने गैर जनपद में प्रकाशित निविदा को लेकर धरना-प्रदर्शन भी किया था। जिसके बाद बीडीओ को अन्य जनपद के अखबारों में प्रकाशित निविदाएं रद्द करनी पड़ीं।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,

2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ

3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)

4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी

5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा

6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

पाकिस्तानी पीएम बोले- दुश्मन एक बूंद पानी नहीं छीन सकता

ऐसा सबक सिखाएंगे, जिंदगीभर याद रहेगा; 48 घंटे में 3 पाक नेताओं ने भारत को धमकाया

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने पर भारत को धमकी दी है। शरीफ ने कहा कि भारत अगर पाकिस्तान की तरफ बहने वाला पानी रोकने की कोशिश करता है तो यह सिंधु जल संधि का उल्लंघन होगा। उन्होंने धमकी देते हुए कहा कि इसका जवाब निर्णायक तरीके से दिया जाएगा। पाकिस्तानी पीएम ने आगे कहा कि पानी पाकिस्तान की लाइफलाइन है और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के तहत देश के अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। शहबाज शरीफ से पहले पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भारत को युद्ध की धमकी दे चुके हैं। सोमवार को दिए एक बयान में बिलावल ने कहा था कि अगर भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित रखा तो पाकिस्तान के पास जंग के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। भुट्टो ने दावा किया था कि पाकिस्तान के लोग

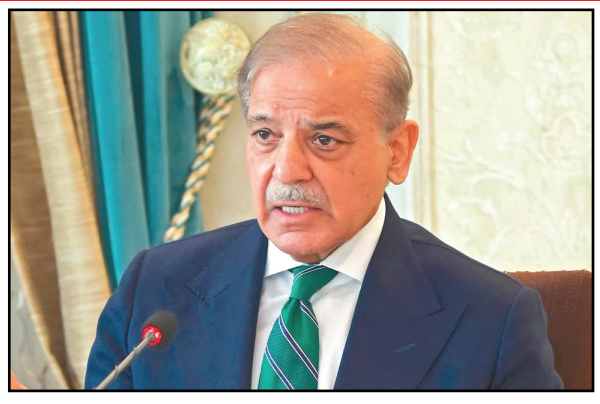

6 नदियों को वापस लेने के लिए जंग करने में सक्षम हैं। सिंधु जल समझौते के निलंबन को लेकर पिछले 48 घंटों में 3 पाकिस्तानी नेताओं ने भारत के खिलाफ धमकी भरे बयान दिए हैं। इनमें आर्मी चीफ आसिम मुनीर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो शामिल हैं। सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47% जमीन पाकिस्तान, 39% जमीन भारत, 8% जमीन चीन और 6% जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं। 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था। 1947 में भारत और पाक के इंजीनियरों के बीच 'स्टैंडस्टिल समझौता' हुआ। इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला। 1 अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दोनों नहरों का पानी रोक दिया। इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की 17 लाख एकड़ जमीन पर खेती बर्बाद हो गई। दोबारा हुए समझौते में भारत पानी देने को राजी हो गया। इसके बाद 1951 से लेकर 1960 तक वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता में भारत पाकिस्तान में पानी के बंटवारे को लेकर बातचीत चली और आखिरकार 19 सितंबर 1960 को कराची में भारत के तत्कालीन ढट जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच दस्तखत हुए थे।

इसे इंडस वाटर ट्रीटी या सिंधु जल संधि कहा जाता है। भारत ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के दूसरे दिन 24 अप्रैल को पाकिस्तान के साथ 65 साल पुराना सिंधु जल समझौता रोक दिया था। इस आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे।

ब्रिटेन विदेशी अपराधियों को तुरंत डिपोर्ट करेगा

फैसले के खिलाफ अपील का वक्त नहीं मिलेगा; इन देशों में भारत शामिल, लिस्ट से पाकिस्तान बाहर

एजेंसी

लंदन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने विदेशी अपराधियों के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। स्टार्मर ने पहले डिपोर्ट, फिर अपील नीति का ऐलान किया है। इसका मतलब यह है कि अब ब्रिटेन में अपराध करने पर प्रवासियों को तुरंत उनके देश वापस भेज दिया जाएगा। पहले इसके लिए अपील करने का वक्त मिलता था अब ऐसा नहीं होगा। अब वे अपने देश वापस जाने के बाद ही अपील कर सकेंगे। अब नई सूची में भारत, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश शामिल किए गए हैं, लेकिन पाकिस्तान को बाहर रखा गया है। जबकि कुछ माह पहले

कुख्यात ग्रूमिंग गैंग मामले में पाक नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। गृह मंत्री यवेट कूपर का कहना है कि हम अपने कानूनों का दुरुपयोग नहीं होने देंगे। अपराधी महीनों-बरसों अपील के नाम पर यहां नहीं रह सकते। पहले डिपोर्ट फिर अपील नीति के तहत आने वाले देशों में पहले नाइजीरिया, एस्टोनिया, फिनलैंड, अल्बानिया, बेलीज, मॉरीशस, तंजानिया व कोसोवो थे। अब नई सूची में भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, कनाडा, बुल्गारिया जैसे अहम देश भी हैं। इसके अलावा गुयाना, केन्या, लातविया को भी शामिल किया गया है। ब्रिटेन की जेलें इस समय 100% क्षमता पर चल रही हैं। यहां की जेलों में इस समय 10772 विदेशी कैदी हैं। इनमें 320 भारतीय शामिल हैं, जो तीसरे नंबर पर आते हैं। पाकिस्तानियों की संख्या भी 317 है। यहां की जेलों में एक कैदी पर सालाना 50 लाख रु. का खर्च आता है, जो टैक्सपेयर्स की जेब पर सीधा बोझ है। सरकार का मानना है कि पहले डिपोर्ट, फिर अपील नीति से जेलों में तुरंत जगह खाली होगी और खर्च घटेगा। विपक्ष का आरोप है कि पाक को लिस्ट से बाहर रखकर सरकार ने राजनीतिक दबाव में झुकने का काम किया है। विपक्षी पार्टी कंजरवेटिव के नेता क्रिस फिल्प ने इस फैसले को सरकार का यू-टर्न बताया है। उन्होंने कहा कि स्टार्मर सरकार सभी विदेशी अपराधियों को डिपोर्ट करने की बजाय कुछ देशों के लोगों को बचा रही है। सरकार का तर्क है कि लिस्ट में उन्हीं देशों को जोड़ा गया है,

जिनके साथ कानूनी और प्रशासनिक डिपोर्टेशन समझौते मौजूद हैं। विश्लेषकों का मानना है कि 22 देशों की सूची में पाकिस्तान को बाहर रखकर ब्रिटेन ने वहां के साथ सुरक्षा और आतंकवाद निरोधी सहयोग में मोल बढ़ाने की रणनीति अपनाई है।

ऑपरेशन सिंदूर में एफ-16 के नुकसान पर अमेरिका चुप

कहा- पाकिस्तान सरकार से बात करो; अमेरिकी कंपनी बनाती है एफ-16 फाइटर जेट

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के एफ-16 फाइटर जेट्स के नुकसान पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि एफ-16 जेट्स के बारे में जानकारी के लिए पाकिस्तान सरकार से बात करें। दरअसल, एयरफोर्स चीफ एपी सिंह ने शनिवार को बताया था कि मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने जैकोबाबाद एयरपोर्ट पर एफ-16 रखने वाले हैंगर पर हमला किया था। इसमें आधा हैंगर तबाह हो गया था, जिससे उसमें मौजूद कुछ विमान भी डैमेज हुए होंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि सुक्कुर में ड्रोन हैंगर और भोलारी में एक स्पेशल विमान हैंगर भी निशाना बनाया गया था। इन हमलों में कम से कम एक बड़ा विमान और कुछ एफ-16 के नुकसान का अनुमान है। अमेरिका की टेक्निकल सपोर्ट टीमें (टीएसटीएस) की टीमें पाकिस्तान में 24 घंटे तैनात रहती हैं और वहां के एफ-16 विमानों पर नजर रखती हैं। ये टीमें अमेरिका और पाकिस्तान के बीच हुए समझौतों के तहत काम करती हैं। लेकिन इस बार अमेरिका ने कोई साफ जवाब नहीं दिया। एफ-16 अमेरिका का एक मशहूर और शक्तिशाली फाइटर जेट

है, जिसे 1970 के दशक में जनरल डायनेमिक्स (लॉकहीड मार्टिन) ने बनाया था।

पाकिस्तान समेत 25 से ज्यादा देश इसका इस्तेमाल करते हैं। भारत ने 7 मई को रात डेढ़ बजे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। सेना ने कहा था

कि इस स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। पाकिस्तान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, भारत ने कोटली, बहावलपुर, मुरीदके, बाग और मुजफ्फराबाद में अटैक किया थे। इसमें आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हेडक्वॉर्टर और जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मसूद अजहर का ठिकाना भी शामिल था। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना के फाइटर जेट्स के नुकसान के दावों को नकार चुके हैं। उन्होंने शनिवार को कहा था कि भारतीय वायु सेना प्रमुख के दावे पर यकीन नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा था कि यह दुखद है कि भारतीय सेना के अफसरों को राजनीति की नाकामियों का जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। आसिफ ने दावा किया कि लड़ाई के दौरान बॉर्डर पर भारतीय सैनिकों को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा।

उन्होंने कहा कि अगर सच का पता लगाना है, तो दोनों देशों को अपने विमान भंडार को स्वतंत्र जांच के लिए खोल देना चाहिए, लेकिन भारत ऐसा करेगा, इस पर उन्हें शक है। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि झूठ गढ़ने से जंग नहीं जीती जा सकती।

मोदी अगले महीने अमेरिका जा सकते हैं

रिपोर्ट- यूएन महासभा की बैठक में हिस्सा लेंगे; टैरिफ विवाद के बीच ट्रम्प से मिल सकते हैं

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने अमेरिका के दौरे पर जा सकते हैं। वे संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की सालाना बैठक में हिस्सा ले सकते हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, मोदी का यह दौरा सितंबर के आखिरी हफ्ते में हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरे का असली मकसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात कर व्यापार और टैरिफ से जुड़े विवाद सुलझाना है। इस दौरान दोनों नेता

एक ट्रेड डील का ऐलान भी कर सकते हैं। यूएनजीए में मोदी के भाषण के लिए 26 सितंबर का वक्त तय है। मोदी इस दौरान ट्रम्प और अन्य नेताओं से द्विपक्षीय मुलाकात कर सकते हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी कहा है

कि उनकी मोदी से मुलाकात सितंबर में यूएनजीए के दौरान हो सकती है। मोदी ने इससे पहले फरवरी 2025 में अमेरिका का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस में ट्रम्प से मुलाकात की थी। ट्रम्प ने टैरिफ मामले पर मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें एक टफ नेगोशिएटर (मोल-भाव करने वाला) बताया था। उन्होंने पीएम मोदी को अपना दोस्त बताते हुए कहा था कि वे अच्छा काम कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर 6 अगस्त को 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया। उन्होंने इससे जुड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए। यह आदेश 27 अगस्त से लागू होगा। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में कहा गया है कि रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया गया है। इससे पहले उन्होंने 30 जुलाई को भारत पर 25% टैरिफ का ऐलान किया था। अब भारत पर कुल 50% टैरिफ लगेगा। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस कार्रवाई को गलत बताया है।

देशभर के एम्स से डॉक्टरों का हो रहा पलायन, 2 साल में 429 ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

देश भर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से डॉक्टरों का पलायन हो रहा है और 2022 से 2024 तक 20 संस्थानों से 429 डॉक्टर इस्तीफा दे चुके हैं। सरकार द्वारा संसद में साझा किए गए आंकड़ों से पता चला है। सरकार डॉक्टरों द्वारा एम्स छोड़कर निजी नौकरियों में जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रही थी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव द्वारा राज्यसभा में प्रस्तुत आंकड़ों से पता चलता है कि ये इस्तीफे 2022 और 2024 के बीच हुए इन इस्तीफे के कारणों में व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों कारक शामिल हैं। हालाँकि मंत्रालय ने विशिष्ट कारणों का विवरण नहीं दिया है या इस घटना पर कोई व्यापक राष्ट्रव्यापी अध्ययन नहीं किया है। आंकड़ों से पता चला है कि सबसे ज्यादा 52 डॉक्टरों ने एम्स दिल्ली से इस्तीफा दिया, जो कि मूल संस्थान है और सभी एम्स में सबसे प्रतिष्ठित है। इसके बाद एम्स ऋषिकेश में 38, एम्स रायपुर में 35, एम्स बिलासपुर में 32 और एम्स मंगलगिरी में 30 डॉक्टरों ने इस्तीफा दिया। ये इस्तीफे ऐसे समय में आए हैं।

जब ज्यादातर एम्स फैकल्टी/डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे हैं। दिल्ली एम्स समेत सभी 20 एम्स में लगभग हर तीन में से एक फैकल्टी का पद खाली पड़ा है। हाल ही में, सरकार ने संसद को एक अन्य प्रश्न के उत्तर में बताया कि नए एम्स में प्रोफेसर, अतिरिक्त प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के स्तर पर राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और सरकारी मेडिकल कॉलेजों से सेवानिवृत्त फैकल्टी सदस्यों को 70 वर्ष तक की अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर नियुक्त करने का प्रावधान किया गया है। अन्य उल्लेखनीय आंकड़ों में एम्स भोपाल (27), और एम्स जोधपुर (25) शामिल हैं। नए एम्स संस्थान भी इससे अछूते नहीं रहे। पश्चिम बंगाल स्थित एम्स कल्याणी ने 22 संकाय सदस्यों को खो दिया, जबकि पंजाब स्थित एम्स भटिंडा ने भी इतनी ही संख्या में संकाय सदस्यों को खोया। मदुरै, विजयपुर और गुवाहाटी जैसे कई छोटे एम्स परिसरों में भी, हालांकि कम पैमाने पर, संकाय सदस्यों का पलायन हुआ।

दिल्ली एम्स समेत सभी 20 एम्स में लगभग हर तीन में से एक फैकल्टी का पद खाली पड़ा है। हाल ही में, सरकार ने संसद को एक अन्य प्रश्न के उत्तर में बताया कि नए एम्स में प्रोफेसर, अतिरिक्त प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के स्तर पर राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और सरकारी मेडिकल कॉलेजों से सेवानिवृत्त फैकल्टी सदस्यों को 70 वर्ष तक की अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर नियुक्त करने का प्रावधान किया गया है।

धूल चेहरे पर थी और आप आईना साफ करते रहे...

अनुराग ठाकुर ने कहा कि 1952 से अगर हम शुरूआत करें तो, कांग्रेस और सीपीआई ने मिलकर संविधान निमार्ता, एक संत जैसे नेता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी को चुनाव हरवाया। चुनावी भ्रष्टाचार की नींव कांग्रेस ने पहले चुनाव 1952 में ही रख दी थी।

राहुल पर भाजपा का तंज, कहा- हर हार के बाद नए बहाने ढूंढती है

एजेंसी

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के दावे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हर हार के बाद कांग्रेस नए बहाने ढूंढती रहती है। उन्होंने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव हारते देख कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों के साथ मिलकर झूठे आरोप लगाने में जुट गई है। ठाकुर ने भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर किसी के नेतृत्व में 90 बार चुनाव हारने का रिकॉर्ड है, तो वह राहुल गांधी के नेतृत्व में है। पार्टी के भीतर भी राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठते हैं। अपना हमला जारी रखते हुए ठाकुर ने कहा कि जब वे चुनाव हार जाते हैं, तो कभी ईवीएम पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करते हैं, या वोटर्स पर ठीकरा फोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले कहा कि ईवीएम मशीन के साथ हेराफेरी होती है, ईवीएम बैन करो, बैलेट पेपर लाओ। फिर कहा ईवीएम को रिमोटली हैक किया जा सकता है। फिर कहा वीवीपैट 100 प्रतिशत चेक सुनिश्चित करो। कांग्रेस ने आत्मचिंतन नहीं किया, लेकिन ईवीएम से लेकर संवैधानिक संस्थाओं तक पर आरोप लगाते रही। अब बिहार चुनाव हारता हुआ देख पहले ही विपक्षी दलों के साथ मिलकर झूठे आरोप लगाने में जुटी है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 1952 से अगर हम शुरूआत करें तो, कांग्रेस और सीपीआई ने मिलकर संविधान निमार्ता, एक संत जैसे नेता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी को चुनाव हरवाया। चुनावी भ्रष्टाचार की नींव कांग्रेस ने पहले चुनाव 1952 में ही रख दी थी। उन्होंने कहा कि आप रिकॉर्ड चेक कीजिए, 74,333 वोट खारिज किए गए जबकि अंबेडकर जी मात्र 14,561 वोट से हारे थे। कांग्रेस ने तो संविधान निमार्ता, एक दलित नेता को पहले चुनाव में ही निपटाने का काम किया। आप कल्पना कीजिए, जिन्होंने संविधान बनाया था, उसी को कांग्रेस परिवार ने चुनाव में धांधली कर हरा दिया। उन्होंने कहा कि अगर आप रिकॉर्ड देखें, तो उन्होंने 74,333 वोट रद्द कर दिए, जबकि वह सिर्फ. 14,561 वोटों से हारे। कांग्रेस ने संविधान निमार्ता के साथ ही धोखाधड़ी की। यह वोट भ्रष्टाचार का एक स्पष्ट उदाहरण है। भाजपा नेता ने कहा कि इस परिवार और पार्टी का शुरू से चलन रहा है कि चुनाव हारते हो तो चुनाव आयोग पर, मतदाताओं पर या चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दो।

कांग्रेस ने वोट चोरी पर वीडियो जारी किया, चुनाव आयोग को इलेक्शन चोरी आयोग बताया

कर्नाटक में बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से अधिक मतों की चोरी की गई, जबकि इस संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार को 32 हजार वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

एजेंसी

कांग्रेस ने मतदाता सूचियों में कथित धांधली के खिलाफ अपने अभियान को तेज करते हुए बुधवार को एक वीडियो जारी कर लोगों से इससे जुड़ने की अपील की और चुनाव आयोग को इलेक्शन चोरी आयोग करार दिया। मुख्य विपक्षी दल ने अपने विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से जो एक मिनट का वीडियो जारी है उसमें दिखाया गया कि दो लोग एक मतदान केंद्र से बाहर निकलते हैं और वहां पहुंचे एक बुजुर्ग पुरुष और एक महिला से कहते हैं वे वापस चले जाएं क्योंकि वो उनका वोट पहले ही डाल चुके हैं। इस वीडियो में चुनाव आयोग के लिए इलेक्शन चोरी आयोग लिखा गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक वीडियो साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, मत छीनने दीजिए अपना वोट का अधिकार, सवाल कीजिए, जवाब मांगिए, इस बार। वोट चोरी के खिलाफ आवाज उठाइए, संवैधानिक संस्थानों को भाजपा के चंगुल से छुड़ाइए। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने भी यह वीडियो साझा कर लोगों से कांग्रेस के अभियान के साथ जुड़ने की अपील की। पिछले बृहस्पतिवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया था कि कर्नाटक में बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से अधिक मतों की चोरी की गई

हमें इंसानों की रक्षा करनी होगी : शशि थरूर

एक्स पर एक पोस्ट में थरूर ने कहा कि चुनौती संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि स्थानीय निकायों की नसबंदी और आश्रय के प्रयासों को करने में अनिच्छा या असमर्थता है तब भी जब उन्हें आवश्यक धनराशि प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आवंटन अक्सर खर्च ही नहीं होते या जहाँ उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है, वहाँ इस्तेमाल नहीं किए जाते।

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर क्या बोले शशि थरूर

एजेंसी

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने आवारा कुत्तों के प्रबंधन के लिए निर्धारित धनराशि के उपयोग पर पुनर्विचार करने का आह्वान किया है, तथा सुझाव दिया है कि इसे नगर पालिकाओं के बजाय सीधे विश्वसनीय पशु कल्याण संगठनों को दिया जाना चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में थरूर ने कहा कि चुनौती संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि स्थानीय निकायों की नसबंदी और आश्रय के प्रयासों को करने में अनिच्छा या असमर्थता है तब भी जब उन्हें आवश्यक धनराशि प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आवंटन अक्सर खर्च ही नहीं होते या जहाँ उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है, वहाँ इस्तेमाल नहीं किए जाते। इसके बजाय, उन्होंने प्रस्ताव दिया कि यह धन उन गैर-सरकारी संगठनों और पशु कल्याण समूहों को दिया जाए जिनका आश्रय स्थल चलाने और पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) कार्यक्रम लागू करने का सिद्ध रिकॉर्ड हो। उनका तर्क था कि वे बेहतर परिणाम देने की स्थिति में हैं। थरूर ने सार्वजनिक सुरक्षा और कुत्तों के साथ मानवीय व्यवहार के बीच संतुलन बनाने के महत्व पर जोर दिया और सुप्रीम कोर्ट के हालिया हस्तक्षेप को नगर निगम की निष्क्रियता पर समझ में आने वाली खीझ का नतीजा बताया। उनकी यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा 11 अगस्त को कुत्तों के काटने की घटनाओं में वृद्धि को बेहद गंभीर स्थिति बताते हुए और दिल्ली-एनसीआर में सभी आवारा कुत्तों को जल्द से जल्द स्थायी रूप से स्थानांतरित करने के आदेश देने के बाद आई है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने दिल्ली के अधिकारियों को छह से आठ हफ़्तों के भीतर लगभग 5,000 कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाने का भी निर्देश दिया, जिनका चरणबद्ध तरीके से विस्तार किया जाएगा। अदालत ने चेतावनी दी कि पुनर्वास अभियान में किसी भी तरह की बाधा डालने पर व्यक्तियों या संगठनों के खिलाफ अवमानना ??की कार्यवाही हो सकती है।

संक्षेप

नाबालिग लड़की का अपहरण

पड़ोसी गांव के युवक पर मुकदमा दर्ज, एक साल से चल रहा था प्रेम प्रसंग

सुलतानपुर, देहात कोतवाली क्षेत्र में हाइवे किनारे स्थित एक गांव से 17 वर्षीय नाबालिग लड़की का अपहरण का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां ने पड़ोसी गांव के 22 वर्षीय रवि पर बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। आरोपी रवि, जो सीताराम का पुत्र है और अभियाखुर्द का निवासी है, पीड़िता को अपने साथ ले गया। पीड़िता अभी तक घर नहीं लौटी है। पीड़िता की मां की शिकायत पर देहात कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। कोतवाल अखंडदेव के अनुसार घटना की जांच की जा रही है। ग्रामीणों के मुताबिक दोनों के बीच एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी कारण दोनों परिवारों के बीच पहले भी दो बार विवाद और मारपीट हो चुकी है। पुलिस ने जांच के लिए आरोपी के पिता को थाने बुलाया है।

जल निगम का विशेष अभियान

स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश, स्कूली बच्चों ने दिखाया उत्साह

सुलतानपुर, जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि एवं शैक्षिक प्रबंध संस्थान के सहयोग से यह कार्यक्रम 15 अगस्त 2025 तक चलेगा। कार्यक्रम में प्रभात फेरी और सामुदायिक बैठकों का आयोजन किया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोगों को शुद्ध जल का महत्व समझाया गया। साथ ही स्वच्छता, भूजल प्रबंधन और जल संचय के बारे में जागरूक किया गया। उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) की प्रेरणा से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुड़वार ब्लॉक में टीएल बजरंग सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य और शिक्षकों का भी पूर्ण सहयोग मिला।

पेड़ पर लटका मिला युवती का शव

मां ने प्रेमी पर हत्या का आरोप लगाया, स्कूल से टीसी लेने गई थी

सुलतानपुर, जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के बिझूरी गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां 18 वर्षीय नेहा निषाद का शव जामुन के पेड़ पर लटका मिला। मृतका की मां नीलम ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा कि उनकी बेटी का महु आरी निवासी प्रदीप निषाद से प्रेम प्रसंग चल रहा था। प्रदीप ने शादी का झांसा देकर नेहा को फंसाया था। आरोप है कि मंगलवार को प्रदीप और उसका भाई अखिलेश, नेहा को स्कूल से अपने घर ले गए। वहां दोनों ने अपने पिता के साथ मिलकर नेहा की हत्या कर दी और शव को पेड़ से लटका दिया। घटना की जानकारी तब मिली जब कुछ ग्रामीणों ने व्यासपुर गांव के पास कूरेभार ड्रेन के किनारे एक पेड़ पर शव लटका देखा। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

टोल प्लाजा पर बीजेपी सांसद समर्थकों का बवाल

कर्मचारियों को डंडे और लात-घूसों से पीटा, 1 घंटे तक टोल फ्री किया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, भदोही से भाजपा सांसद के समर्थकों ने टोलकर्मियों को डंडों और घूसों-लातों से पीटा। गाली-गलौज कर जमकर बवाल किया और मारपीट की। सांसद समर्थकों ने टोल के सभी गेट खोल दिए। इससे 1 घंटे तक सभी गाड़ियां निकलती रहीं। मामला हंडिया थाना क्षेत्र का है। इस मामले में टोल प्लाजा के शिफ्ट इंचार्ज ने हंडिया थाने में सांसद के समर्थकों के खिलाफ शिकायत दी है। इस संबंध में भाजपा सांसद डॉ. विनोद बिंद से फोन पर बात की गई। उनसे जानना चाहा कि क्या पूरा मामला है? उन्होंने सवाल सुनने के बाद कहा कि अभी जानकारी कर रहा हूं। इसके बाद सांसद ने फोन काट दिया। हंडिया टोल प्लाजा में कार्यरत शिफ्ट इंचार्ज अमित कुमार सिंह ने बताया कि 12 अगस्त की शाम 5 लग्जरी गाड़ियां टोल पर पहुंचीं। गाड़ियों में बैठे लोगों ने टोलकर्मियों को बताया कि यह काफिला भदोही से भाजपा सांसद डॉ. विनोद बिंद का है। सांसद भी गाड़ी में बैठे हैं। इसके बाद सभी को टोल प्लाजा पार कराया जा रहा था। इसी दौरान काफिले में शामिल एक गाड़ी पर टोल प्लाजा का बूम बैरियर अचानक गिर गया। लग्जरी गाड़ी पर टोल प्लाजा का बैरियर गिरने से गाड़ियों ने सवार लोग नाराज हो गए। इसके बाद 5 गाड़ियों में सवार 15-20 लोग बाहर निकल आए। उन लोगों ने गाली-गलौज करते हुए टोल कर्मियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। सांसद समर्थकों ने शिफ्ट इंचार्ज अमित कुमार सिंह, टोल कलेक्टर सूर्य प्रकाश बिंद और अन्य कर्मचारियों के साथ जमकर मारपीट और हंगामा किया। सभी को जख्मी कर दिया, साथ ही गाली-गलौज भी करते रहे। टोल कर्मियों का आरोप है कि उन लोगों ने अन्य लाइनों के बूम बैरियर हटाकर सभी वाहनों के लिए प्लाजा फ्री कर दिया। शिकायत में कहा गया है कि भाजपा सांसद के समर्थकों की इस दबंगई से आर्थिक नुकसान पहुंचा है।

आभूषण व्यवसायी से 4 लाख के गहने लूटे

बाइक से आए बदमाशों ने सरेशाम तमंचा सटाकर की वारदात, पुलिस मौके

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, एक आभूषण व्यवसायी से 4 लाख की लूट हो गई। बाइक से आए तीन बदमाशों ने व्यवसायी को रोका और तमंचा सटाकर बैग छीन लिया। बैग में सोने-चांदी के गहने थे।

सरेआम शाम लूट के बाद बदमाश निकल भागे। सूचना पाकर पहुंची पुलिस जांच कर रही है। बदमाश प्रतापगढ़ मार्ग की तरफ भागे। पुलिस उस इलाके में नाकेबंदी कर चेकिंग कर रही है।

एसीपी समेत अन्य अधिकारी मौके पर हैं। घटना गंगापार के बहारिया थाना क्षेत्र के करनाई गांव के पास हुई। बहरिया के

खलसा बाजार के रहने वाले आभूषण व्यवसायी त्रिभुवन यादव की करनई गांव में आभूषण की दुकान है। वह बाइक से दुकान जा रहे थे। करनाई गांव के बाद पीछे लगे बदमाशों ने बाइक रोकी और बैग लेकर निकल भागे। घटना शाम करीब साढ़े चार बजे की है।

त्योहारों को लेकर कानून व्यवस्था की समीक्षा

एडीजी जोन ने थाना प्रभारियों के साथ की बैठक, रिक्रूट्स से मिलेंगे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, त्योहारी सीजन और आगामी स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी को देखते हुए एडीजी जोन लखनऊ सुजीत पांडेय ने आज अमेठी का दौरा किया। एडीजी को एसपी कार्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एसपी कार्यालय के सभागार में एडीजी पांडेय ने जिले के सभी थाना प्रभारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। इस महत्वपूर्ण बैठक में अयोध्या मंडल के आईजी प्रवीण कुमार, एसपी अपर्णा रजत कौशिक, एसएसपी शैलेन्द्र कुमार सिंह और चारों सर्किल के सीओ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अगले चरण में एडीजी सैठा रोड स्थित पुलिस लाइन का दौरा करेंगे। वहां वे प्रशिक्षणरत नए रिक्रूट्स से मुलाकात करेंगे और उनके साथ भोजन भी करेंगे। यह दौरा त्योहारों के मद्देनजर कानून व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए किया गया है।

डायल 112 की टक्कर से महिला की मौत

सड़क किनारे शौच कर रही महिला को पुलिस वाहन ने कुचला, अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में एक दुखद घटना सामने आई है। कोतवाली मोहनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सभा चेतरा बुजुर्ग में सुबह के समय एक महिला की डायल 112 पुलिस वाहन की टक्कर से मौत हो गई। घटना के समय अंजुम पत्नी इसराइल, जो चेतरा बुजुर्ग की निवासी हैं, सड़क किनारे शौच कर रही थीं। जायस की तरफ से आ रही डायल 112 की गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुलिस वाहन सड़क से नीचे उतर कर पलट गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अमेठी, थाना प्रभारी मोहनगंज और क्षेत्राधिकारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। ग्रामीणों ने घायल महिला को तुरंत तिलोई स्थित 200 बेड अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। क्षेत्राधिकारी तिलोई के अनुसार, घटना के समय धुंध का मौसम था। पुलिस वाहन को देखकर महिला भागी और उन्हें बचाने के प्रयास में यह हादसा हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि विधिक कार्यवाही की जा रही है और मृतका के परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। दुर्घटनाग्रस्त डायल 112 वाहन को ट्रैक्टर हाइड्रा की मदद से निकालकर थाने पहुंचाया गया है।

बरसात में चोरी हुई भैंस

खेत से गायब हुआ पशु, पुलिस कर रही है जांच

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, लंभुआ क्षेत्र में गोमती नदी के किनारे स्थित जफरापुर गांव से एक दुधारू भैंस की चोरी हो गई। मकसूदन गांव के जफरापुर पुरवा निवासी अवनीश कुमार शुक्ल ने बताया कि वह रोजाना की तरह अपनी 20-25 भैंस और पड़ियाओं को घर से करीब 100 मीटर दूर खेत में बांधकर रखते हैं। रात में तेज बरसात का फायदा उठाकर चोर उनकी एक कीमती भैंस को खोलकर ले गए। सुबह जब परिजन चारा देने गए तो भैंस गायब मिली। आसपास खोजबीन की गई लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित पशुपालक ने आईजीआरएस के माध्यम से पुलिस को घटना की सूचना दी। उपनिरीक्षक अजय कुमार राय ने मौके पर पहुंचकर जांच की और आसपास के लोगों से पूछताछ की। अभी तक पुलिस को कोई सफलता नहीं मिली है। मामले की जांच जारी है।

साइबर क्राइम पर सख्त कार्रवाई

सभी थानों में साइबर हेल्प डेस्क बनी, अपराधियों की पहचान के लिए फोटो लैब बनाई गई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, उत्तर प्रदेश में बढ़ते साइबर अपराधों को रोकने के लिए पुलिस विभाग ने कमर कस ली है। लखनऊ जोन के एडीजी सुजीत पांडेय ने अमेठी में समीक्षा बैठक के दौरान इस संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डीजीपी के निर्देश पर प्रदेश के सभी थानों में साइबर हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। पुलिस कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साइबर अपराधियों की पहचान के लिए फोटो लैब की स्थापना की गई है। एडीजी पांडेय ने बताया कि साइबर अपराधियों का विशेष डोजियर तैयार किया जा रहा है। यह डोजियर उन अपराधियों पर भी नजर रखेगा जो यूपी में रहकर अन्य राज्यों में साइबर अपराध कर रहे हैं। प्रदेश के सभी थानों को साइबर अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस विभाग ने एक समन्वय तंत्र स्थापित किया है। इससे साइबर धोखाधड़ी करने वालों की तुरंत पहचान और गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा सकेगी। एडीजी ने अमेठी पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि वह अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इससे कानून व्यवस्था की रैंकिंग में जिले को बेहतर स्थान मिला है।

पुलिस मुठभेड़ में तीन लुटेरे गिरफ्तार

5 बदमाश भाग निकले, पैर में गोली लगने से एक घायल; सभी हाथरस-कासगंज के रहने वाले

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

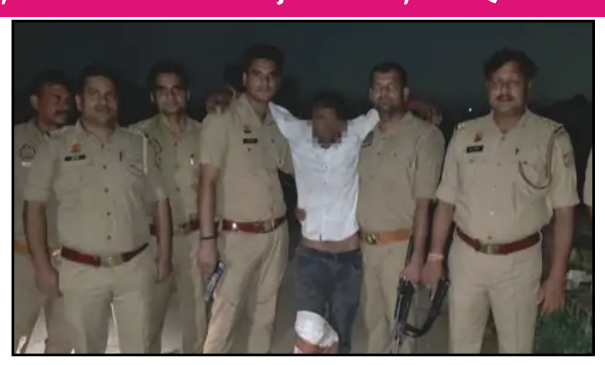

अलीगढ़, पुलिस और सर्विलांस की टीम और लूट करने वाले गैंग में मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पांच लुटेरे मौके से भाग निकले। वहीं, पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अकराबाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए सिहोर बंबा पुलिया पर नाकेबंदी की थी। पुलिस संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी आरोपी वहां से गुजरे और पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की। जब पुलिस ने आरोपियों को रोका तो उन्होंने टीम के ऊपर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस टीम ने खुद को सुरक्षित किया और जवाबी फायरिंग शुरू की। इसमें एक बदमाश के गोली लगी और वह घायल हो गया। जिसके बाद आरोपी ने आत्मसमर्पण कर दिया। वहीं, अंधेरे का फायदा उठाकर 5 आरोपी मौके से भाग निकले, जबकि तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीओ गर्वित सिंह ने बताया कि बीते दिनों कई आपराधिक घटनाएं हुई थी, जिसके चलते पुलिस अलर्ट थी। अकराबाद इंस्पेक्टर डीके सिसौदिया टीम के साथ वाहनों की चेकिंग कर रहे थे, तभी विजयगढ़ की ओर से एक सफेद अर्टिगा कार आती हुई नजर आई। हरियाणा नंबर की यह कार पुलिस को संदिग्ध लगी, जिस पर टीम ने उन्हें रुकने को कहा। उन्होंने बताया कि कार में 8 लोग सवार थे, जिन्होंने कार रोकने के बजाय पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। जबकि उसके दो साथियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। घायल आरोपी का नाम अरविंद उर्फ नंगा पुत्र रामजीलाल निवासी हाथरस है। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में तीन आरोपियों को पकड़ा गया है। यह सभी हाथरस और कासगंज के रहने वाले थे। यह गैंग बनाकर लूट की घटनाएं करते थे और बीते दिनों अलीगढ़ में भी दो लूट की थी। मुठभेड़ में अरविंद उर्फ नंगा घायल हुआ है। उसके साथ रीतेश उर्फ धोनी पुत्र चंद्रपाल सिंह निवासी थाना निन्नामी जिला हाथरस और योगेश पुत्र ओमप्रकाश निवासी सावंती नगला जिला कासगंज को गिरफ्तार किया गया है।

हर घर तिरंगा अभियान में बच्चों का जोश

मथुरा के बलरामपुर में स्कूली छात्रों ने निकाली तिरंगा रैली, गूंजे देशभक्ति के नारे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, बलदेव विकास खंड के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में आज स्वतंत्रता दिवस से पूर्व देशभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। हर घर तिरंगा अभियान के तहत विद्यालय के छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ तिरंगा रैली निकालकर ग्रामवासियों से 15 अगस्त से पहले अपने-अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आान किया। विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। बच्चों ने हाथों में तिरंगा थामे, सफेद व तिरंगे परिधान पहनकर रैली में भाग लिया। जैसे ही रैली विद्यालय से शुरू हुई, भारत माता की जय और वंदे मातरम्-जैसे गगनभेदी नारे पूरे वातावरण में गूंजने लगे। गांव की गलियों से गुजरती रैली ने न केवल माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर दिया बल्कि ग्रामीणों के हृदय में भी देश के प्रति सम्मान और गर्व की भावना जागृत कर दी। प्रधानाध्यापक डॉ. जगदीश पाठक ने इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए देश के हजारों वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दी। उन्हीं के बलिदान के कारण आज हम आजाद भारत की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। हमारा नैतिक दायित्व है कि हम उन शहीदों का सदैव सम्मान करें और देश की एकता व अखंडता बनाए रखने में अपना योगदान दें।

दिव्यांग माता-पिता के इकलौते बेटे की कार से कुचलकर हत्या

परिवार को आर्थिक मदद और हत्यारों को सजा की मांग, कांग्रेस ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के बझना में चंदन शर्मा की कार से कुचलकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में बुधवार को कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर एडीएम को मांग पत्र सौंपा है। आरोप है कि अमित यादव, पिंटू यादव और सचिन यादव ने मिलकर यह वारदात की। मृतक चंदन अपने दिव्यांग माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी तीन बहनें हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। इस मामले में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा की अगुआई में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है।

शिकायतों का समाधान नहीं करने वाले विभागों पर एक्शन

डीएम ने 14 विभागों को दी चेतावनी, कहा- समयबद्ध निस्तारण नहीं तो होगी कार्रवाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी संजय चौहान ने बुधवार को समीक्षा बैठक की। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण नियत तिथि से पहले किया जाए। डीएम ने स्पष्ट किया कि केवल औपचारिक निस्तारण पर्याप्त नहीं है। समस्याओं का समाधान धरातल पर होना चाहिए। उन्होंने 14 विभागों को चेतावनी दी, जिनमें लोक निर्माण विभाग, जल निगम, सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग और पशुपालन शामिल हैं। इसके अलावा एसडीएम अमेठी व गौरीगंज, खंड विकास अधिकारी अमेठी, जगदीशपुर, गौरीगंज, संग्रामपुर को भी चेतावनी दी गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर, बाल विकास परियोजना अधिकारी जगदीशपुर, एडीओ पंचायत तिलोई और सिंहपुर भी चेतावनी पाने वाले विभागों में शामिल हैं। डीएम ने कहा कि अगर भविष्य में शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण नहीं हुआ तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, अपर जिलाधिकारी अर्पित गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी